दैनिक
# भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3845 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-4 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 23 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

**भीम प्रज्ञा अलर्ट**

'किस्मत दरवाज़े पर दस्तक ज़रूर देती है, पर दरवाज़ा वही खोल पाता है, जिसने मेहनत की चाबी को जंग नहीं लगने दिया। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

## विधायक रीटा चौधरी बनीं झुंझुनू जिला की कांग्रेस अध्यक्ष, शेखावाटी की राजनीति में नया समीकरण मजबूत

**भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनू।**

मंडावा विधानसभा क्षेत्र की जनप्रिय विधायक रीटा चौधरी को झुंझुनू जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के बाद जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। पार्टी के इस निर्णय को संगठन को नई मजबूती देने तथा झुंझुनू की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। रीटा चौधरी अपने क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक चुनी गई हैं, और संगठनात्मक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक दावेदार बनाती है। कांग्रेस संगठन के अनुभवी परिवार से आने वाली रीटा चौधरी की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी बेहद मजबूत रही है। उनके पिता रामनारायण चौधरी कांग्रेस के विधायक ही नहीं, बल्कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जिससे पार्टी में उनकी पकड़ और प्रभाव लंबे समय से स्थापित है। इस विरासत के कारण माना जा रहा है कि उनकी जिला अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति झुंझुनू में कांग्रेस की जमीनी पकड़ को और अधिक मजबूत करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शेखावाटी क्षेत्र में जाट समुदाय के मजबूत वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए यह नियुक्ति की है। जहां भाजपा ने झुंझुनू में हर्षिनी गुलेरी को जिला अध्यक्ष बनाकर अपनी रणनीति को धार देने की कोशिश की है, वहीं कांग्रेस ने मंडावा की लोकप्रिय विधायक रीटा चौधरी को जिला संगठन की कमान सौंपकर नए राजनीतिक समीकरणों का सूत्रपात कर दिया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रीटा चौधरी के नेतृत्व में संगठन न केवल मजबूत होगा बल्कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलेगी। उनके युवा, सशक्त और जमीनी नेतृत्व से जिले में कांग्रेस के जनाधार के और भी सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति को जिलेभर में उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह निर्णय झुंझुनू जिले में राजनीतिक दिशा परिवर्तन की शुरुआत है।

# पोक्सो के मामलों में समन वारंट की शत प्रतिशत तामील सुनिश्चित की जाए : एसपी

**भीम प्रज्ञा न्यूज**

**चूरू ।** जिला मुख्यालय पर चूरू पुलिस लाइन के सभागार में शनिवार को क्राइम बैठक हुई। एसपी जय यादव ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा की, वहीं विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर निर्देश दिए। एसपी यादव ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पोक्सो के मामले में समन वारंट की शत-प्रतिशत तामील करवाई जाए, ताकि कोर्ट ट्रायल में आसानी हो। इसी तरह अपराध से अर्जित संपत्ति को कुर्क करवाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कोर्ट में इस्तगासे पेश किए जाएग। इस तरह के मामलों में अब तक पेश किए गए इस्तगासों की प्रभावी मोनेटरिंग कर कोर्ट से ऐसी संपत्ति को कुर्क करवाने का आदेश करवाए। उन्होंने वांछित अपराधियों की धर-पकड़ में तेजी लाने, सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर यातायात नियमों की पालना नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने, मादक पदार्थों की तस्करी की प्रभावी रोकथाम किए जाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि थाने में आने वाले परिवादी की पूरी सहानुभूति के साथ सुनवाई की जाए और उसे न्याय दिलवाने के त्वरित प्रयास किए जाएं। वर्ष की समाप्ति को देखते हुए पेंडिंग मामलों के निस्तारण में गति लाई जाए, ताकि पेंडेंसी नहीं रहे। थानों में विभिन्न मामलों में जब्त कर खड़े वाहनों के निस्तारण भी जल्द किए जाए, ताकि इसका समय पर निपटारा हो। बैठक में पीपी रोशन सिंह राठौड़ ने पुलिस अधिकारियों को अनुसंधान में रहने वाली कमियों के बारे में बताते हुए उन्हें दूर किए जाने की कार्रवाई के बारे में बताया। बैठक में चूरू एएसपी लोकेंद्र दादरवाल, राजगढ़ एएसपी किशोरीलाल, सीकाऊ एएसपी डॉ. कृष्णा सामरिया, त्वरित अनुसंधान इकाई के एएसपी सतपाल सिंह,, राजगढ़ सहायक पुलिस अधीक्षक आईपीएस अभिजीत पाटिल, चूरू डीएसपी सुनील कुमार झाझड़िया, तारानगर डीएसपी रोहित सांखला, सुजानगढ़ डीएसपी दरजाराम, बीदासर डीएसपी ओमप्रकाश गोदारा, रतनगढ़ डीएसपी इंसार अली सहित सभी थाने के एसएचओ व अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। नाबालिग बच्चों के स्कूल, हॉस्टल व कोचिंग में बालिग स्टाफ का चरित्र प्रमाण पत्र जरूरीः बैठक में एसपी यादव ने बताया कि पोक्सो नियम 2020 के तहत नाबालिग बच्चों के स्कूल, हॉस्टल, कोचिंग आदि में बालिग स्टाफ सदस्यों को अब पुलिस द्वारा सत्यापित चरित्र प्रमाण देना अनिवार्य है। मदद सेतु पोर्टल का करें प्रभावी क्रियान्वयन : एसपी यादव ने कहा कि अपराध व यौन हिंसा के मामलों में पीड़िता को त्वरित आर्थिक मदद उपलब्ध करवाने के लिए मदद सेतु पोर्टल शुरू किया गया है। इसके नोडल अधिकारी सहित सभी पुलिस अधिकारी व एसएचओ मदद सेतु पोर्टल पर डाटा आदि अपलोड करें। अपराधियों के खिलाफ नए कानून में मामले दर्ज करें: एसपी ने बताया कि संगठित अपराध में दर्ज मामले में अपराधी के कोर्ट में अनुपस्थित रहने पर भी सजा का प्रावधान है। गैंगस्टरों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत बीएनएस की नई धारा संगठित अपराध में मामला दर्ज कर जांच करवाकर कोर्ट में चालान पेश किया जाए। ऐसे मामलों में अपराधी के कोर्ट में अनुपस्थित रहने पर कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 356 में ट्रायल करवाकर सजा करवाई जाए।

## अरुणाचल लिटरेचर फेस्टिवल में बदलते परिवेश पर बोले सहारण

**भीम प्रज्ञा न्यूज**

**चूरू ।** चूरू निवासी एवं साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष दूलाराम सहारण अरुणाचल लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए। शनिवार को साहित्य और एआई विषयक सत्र में सहारण ने कहा कि समय की तासीर सदैव परिवर्तनशील रही है। समय अपनी गति और मति परिवर्तित करता रहता है। यही तो युग यात्रा है। वर्तमान में तकनीकी एआई लेकर आई है, ये परिवर्तन उसी परंपरा में है, अग्रगामी है। जिससे डरना नहीं, इसे खतरा नहीं बताना है, दोस्ती करनी है। अरुणाचल सरकार एवं अरुणाचल लिटरेचर सोसायटी द्वारा आयोजित इस सातवें लिटफेस्ट के इस सत्र में असम से ध्रुव हजारिका, दिल्ली से सीपी सुरेंद्रन, मनीष मोहन गोरे ने भी विचार रखे। संचालन रवि सिंह ने किया। धन्यवाद लिईर इटे ने दिया। सत्र में साहित्यकार शीनकाफ निजाम, सरदार इंद्रजीत सिंह, जमुना बिनी, विनीता परमार, तारो सिंदिक सहित अरुणाचल के साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

## कांग्रेस पार्टी मुंडावर ने BLA के लिए आयोजित की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।**

**रमेशचंद्र ।** शाहजहांपुर, राजस्थान - चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे SIR प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी मुंडावर द्वारा चयनित BLA के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कांग्रेस कार्यालय शाहजहांपुर पर किया गया। यह कार्यक्रम मुंडावर विधायक ललित यादव जी के सानिध्य में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंडावर विधानसभा प्रभारी पंकज दाधीच जी रहे। अध्यक्षता नीमराना ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह चौहान ने की। इस अवसर पर मुंडावर ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश कौशिक, नीमराना शहर अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, मुंडावर शहर अध्यक्ष दिलीप जांगिड़, अशोक मुद्गल, कर्मपाल चौहान, शैतान सिंह मीणा, संदीप कुमार यादव उमरावगढ़, अजीत सिंह, संजय कुमार यादव, शेर सिंह एवं सभी बूथो के BLA उपस्थित रहे।

## राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान, कोलायत के नए अध्यक्ष बने हरजी राम मेघवाल

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।**

**सोहनलाल परिहार ।** राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान में संगठनात्मक मजबूती लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। संस्थान के जिला अध्यक्ष (बीकानेर) त्रिलोक चंद जयपाल ने हरजी राम मेघवाल को कोलायत तहसील अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। यह महत्वपूर्ण नियुक्ति समाज के कार्यों को तहसील स्तर पर गति देने और संगठन की गतिविधियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। माना जा रहा है कि हरजी राम मेघवाल की नियुक्ति से कोलायत तहसील क्षेत्र में मेघवाल समाज की एकता और सामाजिक कार्यों को नई दिशा मिलेगी। जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि हरजी राम मेघवाल अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे, जिससे समाज के हितों की रक्षा और विकास के कार्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा।

### समाज में हर्ष का माहौल

हरजी राम मेघवाल को कोलायत तहसील अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। इस अवसर पर, नवनियुक्त अध्यक्ष हरजी राम मेघवाल ने संस्थान और जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

# खाद्य मंत्री ने लूणकरणसर में करोड़ों रुपए के कार्यों का किया शिलान्यास

## आधारभूत व्यवस्थाओं के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं का हो रहा विकासः गोदारा

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।**

**सोहनलाल परिहार ।** खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा शनिवार को लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी। आमजन से फीडबैक लिया और नए कार्य के लिए राशि की अनुसंशा की। गोदारा ने लूणकरणसर के राजकीय भीमसेन चौधरी महाविद्यालय के 4 करोड़ 34 लाख रुपए के कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इनमें 1 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से चारदीवारी, सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्य तथा फर्स्ट फ्लोर पर 3 करोड़ रुपए की लागत के कक्षा- कक्ष निर्माण शिलान्यास शामिल हैं। वहीं 4 लाख रुपए की लागत से विधायक निधि से तैयार कबड्डी मेट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में लूणकरणसर में गत 2 वर्षों में अनेक कार्य हुए हैं। स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ अत्याधुनिक तकनीक से जुड़ी व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। महाविद्यालय में भी करोड़ों रुपए की लागत से काम करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'शिक्षित लूणकरणसर' की संकल्पना को साकार करने में यह प्रयास महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।अभिभावकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों को शिक्षा के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करें, जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने समस्त निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

### जीएसएस का किया शिलान्यास

खाद्य मंत्री ने लूणकरणसर में 33/11 केवी जीएसएस का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र में विद्युत सुदृढ़ीकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। पहली बार दो वर्षों में 19 जीएसएस स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से अधिकतर कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। यह पूर्ण होने पर क्षेत्र के लोगों को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि कृषि बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण लूणकरणसर में विद्युत तंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य किए जा रहे हैं। गत दिनों हुई विद्युत जनसुनवाई के प्रकरणों का निस्तारण भी किया पूरी गंभीरता से किया जा रहा है।

### कई गांवों के लिए राहत लाएगी लूणकरणसर-काकड़वाला सड़क

इस दौरान खाद्य मंत्री ने लूणकरणसर से काकड़वाला तक 15 किलोमीटर लंबी तथा 30 फीट चौड़ी सड़क के शिलान्यास के लिए रोझा और काकड़वाला में आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने बताया कि 19 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों के लिए लाभदायक साबित होगी। उन्होंने बताया कि लंबे समय से इसकी मांग थी। जिसे मुख्यमंत्री घोषणा के तहत स्वीकृत कराया गया है। खाद्य मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में सड़कों से जुड़े विभिन्न कार्य प्रगतिरत हैं। विभागीय अधिकारी इनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। डबल इंजन की सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

### प्राइवेट बस स्टैंड पहुंचे मंत्री, यात्रियों से लिया फीडबैक, विश्राम गृह के लिए स्वीकृत किए दस लाख

इस दौरान खाद्य मंत्री लूणकरणसर के प्राइवेट बस स्टैंड पहुंचे। उन्होंने यहां मौजूद यात्रियों से व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया तथा उनकी मांग पर बस स्टैंड में विश्राम गृह बनाने के लिए 10 लाख रुपए की अनुशंसा हाथों-हाथ की। उल्लेखनीय है कि खाद्य मंत्री ने गत दोनों इस बस स्टैंड का उद्घाटन किया था। यह बस स्टैंड बनने से लूणकरणसर से विभिन्न क्षेत्रों की ओर जाने वाली बसें एक स्थान पर उपलब्ध होने लगी। इसके लिए स्थानीय लोगों ने मंत्री का आभार जताया। इस दौरान लूणकरणसर प्रधान कानाराम गोदारा, राजूवास के कुलगुरु डॉ. सुमंत व्यास, राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया, केंद्रीय भेड़ एवं अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, उपखंड अधिकारी दयानंद रूयल, कॉलेज प्राचार्य डॉ. रजनी रमण झा, विद्युत विभाग के अभियंता गिरधारी लाल, सहायक अभियंता राजेश रोशन, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता नीरज कुमार, गणपत दास स्वामी, प्रकाश नाथ, राजू राम घतरवाल, पंचायत समिति सदस्य आत्माराम कड़वासरा, जितेंद्र गोदारा, भींयाराम मेघवाल, हुकमाराम मेघवाल, गोपाल नाथ, और उम्मेद सिंह शेखावत, श्याम पारीक, सुभाष बिश्नोई, राजेश रोज, मुरारी लाल बेनीवाल, बिशन नाथ सिद्ध, भूरसिंह बीका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

## बिसाऊ से रैफर होकर नवजात शिशु बीडीके अस्पताल की नवजात शिशु ईकाई में भर्ती

### नवजात शिशु ईकाई में शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की देख-रेख में चल रहा उपचार

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।**

**अरुण कुमार ।** राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं की नवजात शिशु ईकाई में सीएचसी बिसाऊ से रैफर होकर बच्चे को भर्ती किया गया। बीडीके अस्पताल में लगभग 1.15 बजे पुलिस एवं नर्सिंग स्टाफ के द्वारा बीडीके अस्पताल पीएमओ को अवगत करवाया गया। पीएमओ डॉ जितेन्द्र भाम्बू ने बताया कि नवजात शिशु का वजन 2.5 किलो है। हल्का तापमान में कमीं है। सांस की गति सामान्य है। जन्म का समय लगभग 12 से 48 घंटे प्रतीत हो रहा है । नवजात को आईसीयू में भर्ती कर स्टाफ, रेजीडेण्ट डाक्टर्स एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार जारी है। नवजात शिशु ईकाई प्रभारी डॉ विजय झाझडिया ने बताया कि नवजात शिशु की निरंतर मॉनिटारिंग की जा रही है। बाल कल्याण समिति को सूचना प्रदान की गई है। बच्चा दुग्धपान की क्षमता रखने एवं परिपक्व आंत्र होने से प्रति दो घंटे से फीड आरंभ कर दिया गया है।

## मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में फ्रेशर पार्टी का हुआ आयोजन

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।**

मोहिनी देवी गोयनका महिला पीजी महाविद्यालय में नवागंतुक नवप्रवेशाथियों का सीनियर्स ने किया गर्म जोशी के साथ स्वागत। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में सीनियर ने दी जूनियर्स को फ्रेशर पार्टी नव प्रवेशित छात्राओं के लिए सीनियर्स ने दी ।रंगारंग प्रस्तुतियां तथा म्यूजिकल चेयर गेम्स रैंप वॉक इत्यादि गेम्स करवाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा एवं मोहिनी देवी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जीएस अकैडमी के निर्देशक पवन जांगिड़, ऋषिकुल बीएड कॉलेज प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा, गवर्नमेंट कॉलेज मलसीसर की असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम तथा गोयनका शिक्षा एवं शोध संस्थान के निर्देशक डॉ.एन. रविंद्रा, वित्तीय प्रबंधक नारायण सारस्वत, बीएड कॉलेज प्राचार्य डॉ. राकेश बुडानिया ने कार्यक्रम में शिरकत की। डॉ. एन. रविंद्रा ने छात्राओं को अपने प्रेरणास्पद वक्तव्य से प्रेरित किया। पवन जांगिड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ रेखा शर्मा ने छात्राओं के कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरित किया।महाविद्यालय में आयोजित टैलेंट सर्च कंपटीशन में प्रथम द्वितीय तृतीय आने वाली छात्रों को 5000, 3000, 1000 रूपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पर जीएस अकैडमी की कोमल द्वितीय स्थान पर मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय की श्वेता रही तृतीय स्थान महाविद्यालय की रिनिका ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन रजनी जोशी एवं छात्राएं अर्पिता शर्मा, कृति शर्मा ने किया।प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

## पीबीएम अस्पताल के सफाई कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना स्थगित

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।**

**सोहनलाल परिहार ।** पीबीएम अस्पताल में सफाई कामगारों का अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले दो दिनों से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना आज समाप्त हो गया। पीबीएम अस्पताल सफाई कामगार अधिकार संरक्षण संघर्ष समिति और अस्पताल प्रशासन के बीच हुई सौहार्दपूर्ण वार्ता के बाद धरना स्थगित करने का निर्णय लिया गया। संघर्ष समिति के पदाधिकारी और पीबीएम प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में लगभग सभी मांगों पर सहमति बनी। संघर्ष समिति की ओर सेः वार्ता में चंद्रशेखर चांवरिया और ओमप्रकाश लोहिया (दोनों पूर्व सदस्य, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, राजस्थान सरकार), समिति संयोजक राकेश पंडित, अध्यक्ष चोरुराम चांवरिया, यूथ कांग्रेस नेता आकाश लोहिया, जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस बीकानेर त्रिलोकचंद कांगड़ा, और मिथुन चांवरिया शामिल रहे। पीबीएम प्रशासन की ओर सेः पीबीएम प्रधानाचार्य श्री सुरेंद्र वर्मा, अधीक्षक बीसी घीया, और उप अधीक्षक गौरीशंकर जोशी ने वार्ता में भाग लिया। प्रमुख मांगों पर आश्वासनः कर्मचारी नेताओं की प्रमुख मांगों में ठेके पर कार्य कर रहे 350 सफाई कर्मचारियों को संविदा पर रखने हेतु नाम राज्य सरकार को भिजवाना, ईपीएफ/ईएसआई कटौती के रिकॉर्ड उपलब्ध करवाना, आकस्मिक दुर्घटना पर 50 लाख रुपए का मुआवजा और रविवार व सार्वजनिक अवकाश के दिन सफाई कर्मचारियों को भी अवकाश मुहैया करवाने की मांग शामिल थी। पीबीएम प्रशासन ने आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर निस्तारण हो सकने वाली मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी, और राज्य सरकार से संबंधित मुद्दों को आगे भेजा जाएगा। वार्ता में सहमति बनने के बाद, अनशन पर बैठीं राधादेवी, लेघादेवी और राजूदेवी चांवरिया को प्रधानाचार्य व अधीक्षक द्वारा जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया गया। धरना स्थल पर सुनील चांवरिया, राहुल सा, मोंटू कंडारा, राजन वाल्मीकि, ओमप्रकाश बारासा, रमेश देव, ललिता कंडारा, योगेश चांवरिया, आशीष जैदिया सहित अनेक महिला सफाई कर्मचारी भी मौजूद थीं।

## कांकर बना नई ग्राम पंचायतः ग्रामीणों ने लड्डू बांटकर जताई खुशी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को दी बधाई

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।**

**रमेशचंद्र ।** उपखंड क्षेत्र के गांव कांकर में शुक्रवार को खुशी का माहौल देखने को मिला। कुतीना ग्राम पंचायत से अलग होकर कांकर को नई ग्राम पंचायत का दर्जा मिलने पर ग्रामीणों ने मुख्य बस स्टैंड पर एक-दूसरे को लड्डू बांटकर जश्न मनाया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को बधाई संदेश प्रेषित किया और गांव के उज्ज्वल विकास की उम्मीद जताई। कार्यक्रम में सरपंच रविंद्र सिंह चौहान, कैप्टन देवेंद्र सिंह ठेकेदार, महेंद्र धानक वार्ड पंच, जगरूप धानक (पूर्व स्टेशन मास्टर), धर्मपाल मेघवाल, सुमेर सिंह चौहान, वीरेंद्र सिंह चौहान, रविंदर उर्फ रवि चौहान, सुरेंद्र प्रजापति, युवा नेता सचिन यादव, वार्ड पंच मूलचंद यादव, राजवीर यादव, बलवीर सिंह, पोहप सिंह, सतवीर जोगी, पशु चिकित्सक कृष्ण प्रजापति, सतवीर यादव, मुकुल चौहान सहित युवा शक्ति कांकर के कई सदस्य मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि नई पंचायत बनने से अब गांव में विकास कार्यों में गति आएगी और स्थानीय समस्याओं का समाधान आसान होगा।

# बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

संजय गोस्वामी

**नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी...**

बिहार में सारी राजनीती में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडूयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी । उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ो के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 1निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए एआईएमआईएम के प्रमुख ओबैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्रा बाबू नायडू से नीतीश ने सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट माँगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है । इसलिए सारी राजनीती गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी कोई चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सासंद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूँकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो 1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में कोई रिश्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,यही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल खत्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरी होटल में शि ट होते गए हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उसकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीए पार्टी है । उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है। बिहार में पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील कुमार मोदी जिस तरह बीजेपी में एक अच्छी छवि बनाई और एक नाम श्री नन्द किशोर यादव का भी है,जो पहले बिहार में एनडीए के संयोजक थे बाद में बिहार में मंत्री भी बने बाद में वे स्पीकर बने और 2025 में उनको टिकट ही नहीं मिला डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी गृह मंत्रालय दिया जा सकता था, जिस पर किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हैं, और बोलचाल में भी ठीक हैं अतः बीजेपी को इस बात पर भी ध्यान देने की जरुरत है,कि पार्टी में अच्छे लोगो और किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हो उसे ही अहम मंत्रालय मिले। ताकि उनके साथ जो आईएएस, आईपीएस रैंक के अधिकारी पढ़ लिख कर आते हैं, उन्हें शर्मिंदा न होना पड़े और एक अच्छी छवि भी बने डराने वाला नहीं शांति से बात करने वाला काबिल नेता हो और इससे अच्छे लोग पार्टी से जुड़े.नहीं तो बीजेपी और दूसरी पार्टी में क्या फर्क रह जायेगा जिसे जंगल राज से जोड़ कर देखा जाता है दरअसल ऐ बिहार है एक गरीब राज्य इसलिए यहाँ मलाई नहीं है इसलिए बीजेपी इस तरफ उतना दिमाग नहीं लगाएगी लेकिन पि म बंगाल बिहार से काफी अच्छा राज्य है जो महानागर की श्रेणी में वहाँ अब पुरी कोशिश होगी सरकार बनाने की जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के बीजेपी कार्यलय में कहा था कि गंगा वहाँ से बहकार बंगाल को जाती है और पि म बंगाल में जंगल राज खत्म करना है, लेकिन ऐ बात ही तो बताना नहीं चाहिए क्योंकि अब टीएमसी की सरकार ममता बनर्जी अलर्ट हो गई है और आगे की रणनीति पर काम करना भी चालू कर दिया है और लेडीज होने के नाते लेडीज का वोट भी बहुत अधिक मिलता है अतः वहाँ कुर्सी पानी है तो किसी लेडीज नेता को ही चुनाव में उतरना उचित होगा जिसका जनाधार भी हो फिलहाल ऐसा दिख नहीं रहा है।

## सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

### मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

## ‘एसआईआर, वोटर लिस्ट और शिक्षा–अफरा-तफरी का आधुनिक महामंत्र’

तकनीकी क्रांति के इस दौर में जहां दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मंगल ग्रह की यात्रा की योजना बना रही है, वहीं हमारे यहां एसआईआर गणना की अफरा-तफरी में लोग आज भी एक-एक फोटो खिंचवाने के लिए ऐसे भाग रहे हैं मानो फोटो नहीं, परलोक का वीज़ा बन रहा हो। स्कूलों में बच्चे शिक्षक को ढूंढ रहे हैं, शिक्षक मतदाता को ढूंढ रहे हैं, और मतदाता 2002-03 की वोटर लिस्ट में अपने दिवंगत पिताजी को खोजने में व्यस्त हैं। यह दृश्य इतना व्यंग्यपूर्ण है कि हंसी आए या रोना, समझ नहीं आता। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सरकार कहती है– ‘डिजिटल इंडिया।’ पर एसआईआर गणना कहती है– ‘पहले खड़े हो जाओ लाइन में, फोटो खिंचवाओ, कागज़ दिखाओ और नाम ढूंढ़ो।’ मोबाइल की उंगलियों पर दुनिया घूम रही है लेकिन वेरिफिकेशन अभी भी वही पुरानी सरकारी डायरी और फोटो-एलबम वाले जमाने की शैली में हो रही है। सवाल यह है कि जब हर चीज़ डिजिटल हो रही है–बैंक, अस्पताल, टिकट, न्यायालय–तो मतदाता पहचान का यह इतना महत्वपूर्ण कार्य आज भी फाइलों और फार्मों की कब्रगाह में क्यों अटका पड़ा है? सबसे बड़ा मज़ाक यह है कि यह पूरा एसआईआर कार्यक्रम सरकारी स्कूलों के कंधों पर लाद दिया गया है। शिक्षक जो बच्चों को ज्ञान देने में व्यस्त रहने चाहिए, वे आज कैमरा पकड़े सड़क पर खड़े हैं, वोटर लिस्ट चेक कर रहे हैं, फार्म भरवा रहे हैं, घर-घर जाकर नाम मैच कर रहे हैं और बच्चों की प्रगति रिपोर्ट की जगह मतदाता की जन्मतिथि मिलाने में व्यस्त हैं। परिणाम यह है कि स्कूलों में बच्चे खाली कुर्सियों को देखकर सीख रहे हैं कि ‘शिक्षक भी एक दुर्लभ प्रजाति है–जो चुनावी मौसम में ही दिखाई देती है।‘

सरकारी शिक्षा व्यवस्था वैसे ही इलाज के इंतजार में सांसें गिन रही है, ऊपर से यह एसआईआर अभियान उस पर ‘ऑक्सीजन हटाओ’ जैसी नीति साबित हो रहा है। बच्चों की पढ़ाई ठप, कक्षाएं खाली, और शिक्षक चौपालों और गलियों में वोटर से मिलते हुए...। फिर नतीजे आएंगे तो वही पुराना तंज– ‘सरकारी स्कूलों का रिज़ल्ट क्यों खराब है? ‘अरे भाई! शिक्षक पढ़ाएंगे कब? फोटो खींचते समय या घर-घर जाकर बूथ ढूंढते समय?

व्यवस्था का यह विडंबनापूर्ण चेहरा लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाता है। लोकतंत्र का अर्थ है भागीदारी–पर भेदभाव और अव्यवस्था अगर इसी तरह बढ़ती रही तो भागीदारी नहीं, भागदौड़ ही दिखाई देगी। एसआईआर की गणना में जिनका नाम गलत है, वे परेशान। जिनका नहीं है, उन्हें भी फोटो खिंचवाने बुलाया जा रहा है– ‘आपका नंबर कल आएगा... नहीं, परसों... नहीं, अभी मशीन बंद है...। ‘ इस डिजिटल युग में क्या सचमुच इतनी बड़ी आबादी का सत्यापन फिर से हाथ से लिखकर, बैठकर, लाइन लगवाकर किया जाना चाहिए था? क्या मोबाइल पर ई-केवायसी जैसा एक साधारण तरीका नहीं अपनाया जा सकता था, जिसमें लोग घर बैठे ही अपनी जानकारी सत्यापित कर लें? लेकिन नहीं–यहां तो अभियान भी उसी तरह चलता है जैसे बरसों से चलता आया है... लाइन, लिस्ट, कागज़, दस्तखत, मोहर, और अंत में जनता का ‘ठीक है, जो होगा देखा जाएगा। ‘ और इन सबके बीच लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव–शिक्षा–चौपट हो रही है। यदि शिक्षक का समय शिक्षा के स्थान पर प्रशासनिक कार्यों में ही खप जाएगा, तो यह केवल एक विभाग का नुकसान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक हानि है। फिर भी, यह सरकारी अभियान है–हम सबको सहयोग करना ही होगा।

# आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, नि त रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से नि त रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# खतरे की घंटी हैं अपराध की राह पर बढ़ते किशोर

मनोज कुमार अग्रवाल

हापुड़ (यूपी) में एक किशोर बेटे ने अपने दो दोस्तों की मदद से किसान पिता की गोली मारकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का मामला बता दिया। अब पुलिस जांच में पाया गया है कि पिता का कुसूर इतना था कि इकलौते बेटे की किसी गलती पर पिटाई की थी जिसका अंजाम बेटे ने पिता को खेत पर बुला कर गोली से उड़ा दिया। यह वारदात बता रही है कि समाज में नाबालिग मन मस्तिष्क कितने शातिर ढंग से अपराध कर रहे हैं।

पिछले कुछ माह में राजधानी दिल्ली के मुंडका में नाबालिग की गला रेतकर हत्या। फर्श बाजार में 73 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू घोंपकर हत्या। आनंद पर्वत में बदले के लिए युवक की हत्या। जहांगीरपुरी में वर्चस्व कायम करने के लिए युवक की हत्या। इन सभी हत्याओं का जिक्र कर रहे हैं, इन सभी को 14 से 17 साल के बीच के नाबालिग लड़कों ने अंजाम दिया। जिस उम्र में कंधे पर बस्ता और हाथों में कलम होना चाहिए, उसी उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया का रुख कर रहे हैं। इसके पीछे कारण चाहे कुछ भी हो, लेकिन पुलिस के लिए यह नाबालिग मुसीबत बन गए हैं।

पढ़ने की उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया में कदम बढ़ा रहे हैं। चोरी, लूटपाट ही नहीं, लोगों का खून बहा रहे हैं।सगे संबंधी पडोसी और परिचित के साथ भी वारदात करने में उनको जरा भी हिचक नहीं हो रही। कई नाबालिग अपराधी तो ऐसे हैं, जो बाल सुधार गृह जाकर भी नहीं सुधर रहे। वह वहां से बाहर आने के बाद अपराध के क्षेत्र में फिर से सक्रिय हो रहे हैं।

बीते दिनों दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिर तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिर तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है

सीलमपुर में 13 वर्षीय करण की हत्या इसका स्पष्ट उदाहरण है। यह समाज के लिए चिंता की बात है। जघन्य अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून लचर होने के कारण यह दुस्साहस बढ़ रहा है। नाबालिग अपराधियों के हाथों जिनके अपने मारे गए, वह कानून में बदलाव के जरिये सख्ती करने की मांग कर रहे हैं।

जाफराबाद में 11 जुलाई 2024 को भाई व दोस्त के साथ कपड़े खरीद रहे 15 वर्षीय मोहम्मद फैज की दुकान से बाहर निकाल बीच बाजार में गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस वारदात को नाबालिग शमिल था। उसे पुलिस ने पकड़ कर बाल सुधार गृह भेजा था। अब वह बाहर है। बालिग हो चुका है और हाल में उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने उसे एक अन्य अपराध के मामले में गिर तार किया है।

आरोपित गैंग्स्टर बन चुका है। मृतक के पिता मोहम्मद गुफरान का कहना है कि यह न्यायोचित नहीं है कि हत्या जैसा गंभीर अपराध करने वाले को इस बात पर रहम दे दिया जाए कि वह नाबालिग है।

न्यू सीलमुर के 17 वर्षीय कुणाल की इसी वर्ष 17 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में दो नाबालिग शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा था। कुछ ही महीनों में वह बाल सुधार गृह से बाहर आ गए। अब वह खुली हवा में सांस ले रहे हैं।यह स्थिति देख कर कुणाल के स्वजन का दम घुट रहा है। उसकी मां प्रवीन अब न्याय की उम्मीद छोड़ चुकी हैं।

अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है।

किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पतन भी एक वजह है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों द्वारा भी इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया जाता है । ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। नि य ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। कानून में समय परिस्थितियों की मांग के अनुसार परिवर्तन और सुधार करने की जरूरत है अब ऐसे गिरोह भी सक्रिय हैं जो नाबालिगो को कच्चा लालच देकर हायर कर संगीन वारदातों को साजिशन अंजाम दिला रहे हैं। बड़े गैंगस्टर भी इनको वारदातों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कुछ साल पहले चार नाबालिग लड़कों ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जज के कमरे में घुसकर गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू पर हमला करवा दिया था। इन लोगों ने छेनू को पांच गोली मारी, लेकिन उसके बाद भी वह जिंदा बच गया। हमले में दिल्ली पुलिस का एक हवलदार इन नाबालिगों की गोली लगने से मारा गया था। बाद में पता चला था कि छेनू के विरोधी नासिर ने इन नाबालिग शूटरों का इंतजाम किया था। इसके बाद से लगातार इन नाबालिगों के इस्तेमाल का तेजी से ट्रेंड बढ़ गया। मौजूदा समय में बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि नाबालिगो की परवरिश के लिए समाज में स्वस्थ माहौल की स्थापना की जाए उनके भीतर नैतिकता रोपी जाए ताकि बचपन भविष्य का अपराधी बनने से बचाया जा सके।

# प्रतिभा परिचय कार्यक्रम 2025 का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री ऋषि कुल बी.एड कॉलेज में शनिवार को नव-प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का बी.एड प्रतिभा परिचय कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष तथा प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा मुख्य अतिथि थे जबकि।एसोसिएट प्रोफ़ेसर राजकीय महाविद्यालय मलसीसर श्रीमती पूनम शर्मा,पूर्व एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर की शैक्षणिक परामर्शदाता सुश्री दीपशिखा अय्यर, प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा मंचस्थ अतिथि थे।कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों द्वारा संगीत, नृत्य, रैंप वॉक, गेम्स प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई ।इस अवसर पर मिस्टर फ्रेशर एस मोहम्मद एवं मिस फ्रेशर पायल ढाकाका मनोनयन किया गया।मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मीणा ने अपने उद्बोधनों में विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और लक्ष्य साधने की प्रेरणा दी। संचालन द्वितीय वर्ष की छात्राएँ वर्धा वर्मा एवं हंसा कुमावत ने किया । प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम में डॉ मीना रोहिल, मंजू तिवाड़ी, डॉ डिंपल जोशी, शारीरिक शिक्षक बनवारीलाल मिल सहित स्टाफ उपस्थित रहा।

# नारनौल सिविल अस्पताल में नवजात की मौत पर हंगामा:

## परिजन बोले-डाक्टरों ने सही देखभाल नहीं की; ऑपरेशन से हुए थे जुड़वा बच्चे

भीम प्रज्ञा न्यूज

**नारनौल ।** नारनौल के सिविल अस्पताल में जुड़वा बच्चों की डिलीवरी के बाद एक नवजात बच्चे की मौत हो गई। जिससे शनिवार को परिजन भड़क उठे। अस्पताल परिसर में हंगामा बढ़ता देख पुलिस को बुलाना पड़ा। पुलिस ने परिजनों से लिखित शिकायत देने को कहा, जिस पर मृतक बच्चे के पिता ने शिकायत तो लिखी, लेकिन बाद में वह शिकायत पुलिस को सौंपी नहीं गई। जानकारी के अनुसार, मुंडिया खेड़ा गांव की सपना को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन नारनौल के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि महिला की सामान्य डिलीवरी संभव नहीं है और ऑपरेशन करना पड़ेगा। दोपहर करीब 3 बजे सपना का ऑपरेशन किया गया। इसके बाद हालत बिगड़ने पर नवजात की मौत हो गई, जिसके बाद परिजन अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। हांलाकि सिविल अस्पताल के सीएमओ का कहना है कि औपचारिक शिकायत मिलने पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# सीकर जिलाध्यक्ष नियुक्ति में डोटासरा की चली:सुनीता गठाला दूसरी बार मौका मिला

भीम प्रज्ञा न्यूज

**सीकर ।** लंबे इंतजार के बाद आज प्रदेश में कांग्रेस जिलाध्यक्ष की सूची जारी हो चुकी है। सीकर में लगातार दूसरी बार सुनीता गठाला को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जिनका कहना है कि वह लगातार कॉलेज लाइफ से संघर्ष कर रही है। इसकी वजह से उन्हें दूसरी बार यह जिम्मेदारी मिली है।

**सुनीता गठाला ने कहा-** कांग्रेस आलाकमान ने लगातार दूसरी बार उन्हें जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। उसका वह बखूबी तरीके से निर्वहन करेगी। इतना ही नहीं पार्टी के द्वारा जो भी कार्यक्रम जारी किए जाएंगे उनका हर विधानसभा के बूथ लेवल तक निर्वाहन करवाया जाएगा। सुनीता का कहना है कि वह कॉलेज लाइफ से ही कांग्रेस के छात्र संगठन हस्ब्द से जुड़ी हुई है। इसके बाद भी लगातार पार्टी में एक्टिव रही। विपक्ष में रहने के बावजूद भी उन्होंने लगातार सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध किया। इसके बूते ही उन्हें यह वापस जिम्मेदारी मिली है। हालांकि राजनीतिक जानकार बताते हैं कि जिलाध्यक्ष पद में वापस सुनीता की वापसी होना कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की बात को तवज्जो देना है क्योंकि सीकर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए लगातार कई नेता दावेदारी कर रहे थे।

# रीको इंडस्ट्रियल एरिया में लोगों को सांस लेने में तकलीफ

भीम प्रज्ञा न्यूज

**सीकर ।** सीकर शहर के जयपुर रोड पर स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में आज रात को अचानक लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई। इतना ही नहीं लोगों के सीने में भी दर्द हुआ। केवल एक नहीं कई लोग इस चपेट में आए। घटना के बाद करीब 22 से ज्यादा लोगों को सीकर के एसके हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। अस्पताल में एडमिट लोगों का कहना है कि आज रात को 8:30 से 9 बजे के बीच अचानक सांस लेने में तकलीफ हुई साथ ही सीने में भी दर्द हुआ। इस घटना में सबसे ज्यादा चपेट में वहां संचालित लाल बहादुर शास्त्री स्कूल के बच्चे आए। करीब एक दर्जन स्टूडेंट्स को अस्पताल में एडमिट करवाया गया है। उन्हें भी प्रारंभ में सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द जैसी शिकायत हुई थी। कई स्टूडेंट्स को ऑक्सीजन सपोर्ट भी दिया गया है।

# फतेहाबाद जिला पुलिस ने 13 वर्षीय गुमशुदा बच्ची को 18 घंटे में सकुशल बरामद किया

## यह मामला जिला फतेहाबाद पुलिस की कार्यकुशलता को दर्शाता है बल्कि आमजन के प्रतिबद्धता व संवेदनशीलता को भी उजागर करता है -एस एस पी सिद्धांत जैन आईपीएस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के कुशल नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस लगातार अपराध और नशामुक्त फतेहाबाद बनाने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा और मानवता के प्रति संवेदनशील कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। जिले में अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसते हुए पुलिस ने कई नशा तस्करों और कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा है। इसी क्रम में, फतेहाबाद पुलिस ने मानवता और आमजन सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपनी तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।थाना सदर फतेहाबाद के अंतर्गत आने वाली बडोपल पुलिस चौकी ने हाल ही में एक गुमशुदा बच्ची को मात्र 18 घंटों में उसके माता-पिता से मिलाने में सफलता हासिल की। यह मामला न केवल पुलिस की कार्यकुशलता को दर्शाता है, बल्कि आमजन के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को भी उजागर करता है। जानकारी के अनुसार, गांव एमपी रोही की रहने वाली 13 वर्षीय बच्ची कुछ समय के लिए घर से बाहर गई थी और गलती से गंगानगर चली गई। जब बच्ची घर वापस नहीं लौटी, तो परिवार अत्यंत चिंतित हो गया और उन्होंने तुरंत बडोपल पुलिस चौकी में इसकी सूचना दी। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने सबसे पहले बच्ची के आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की और स्थानीय जानकारी जुटाई। इसके साथ ही अन्य राज्यों में भी बच्ची की जानकारी प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयास किए गए। टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर नजर रखी, ताकि बच्ची को सुरक्षित रूप से खोजा जा सके। लगातार प्रयासों और तत्परता के बाद पुलिस को गंगानगर रेलवे स्टेशन से बच्ची के होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बच्ची को सकुशल बरामद किया। बच्ची पूरी तरह स्वस्थ थी और उसने किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं किया। उसके बाद बच्ची को उसके पिता रिशी कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों को सौंप दिया गया। इस पूरी घटना में पुलिस की त्वरित कार्रवाई और समन्वित प्रयास ने आमजन में विश्वास को मजबूत किया। परिवार ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की और कहा कि उनकी बच्ची इतनी जल्दी सुरक्षित लौटना केवल पुलिस की कुशल कार्यप्रणाली और गंभीरता का परिणाम है। फतेहाबाद पुलिस की इस सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल अपराधों पर कार्रवाई करना ही उनका उद्देश्य नहीं है, बल्कि आमजन की सुरक्षा, मानवता की सेवा और समाज में विश्वास कायम करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इस घटना ने जिले में पुलिस और आमजन के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को भी मजबूती दी है। फतेहाबाद पुलिस लगातार इस प्रकार की तत्पर और संवेदनशील कार्रवाइयों के माध्यम से यह संदेश दे रही है कि सुरक्षा और मानवता के लिए पुलिस हर समय चौकस है और किसी भी परिस्थिति में आमजन की मदद के लिए तत्पर रहती है।

# आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस सेमिनार का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पालड़ीवाला आईटीआई इंस्टिट्यूट में शनिवार को रिलायंस जियो और पालड़ीवाला एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस विषय पर एक विशेष जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में जियो के फतेहपुर ब्रांच मैनेजर नितिन भार्गव एवं पालड़ीवाला संस्थान के प्राचार्य राकेश मालवीय ने छात्रों को आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के महत्व, भविष्य में इसके उपयोग और करियर अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों, विशेषकर एआई को सीखते रहने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर रिलायंस जियो द्वारा छात्रों के लिए विशेष एआई यूथ आफर की घोषणा भी की गई, जिसके तहत इंस्टिट्यूट के सभी विद्यार्थियों को गुगल जेमिनी एआई प्रो प्लान का 18 महीने का पूर्ण एक्सेस प्रदान किया गया। इस ऑफर का बाज़ार मूल्य 35,100 रुपए है, जिसे जियो द्वारा 18-25 आयु वर्ग के युवाओं के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।कार्यक्रम में जियो कंपनी की ओर से जेसीएम नितिन भार्गव, एमएल राजाराम चौधरी, तथा पालड़ीवाला इंस्टिट्यूट के प्रिंसिपल राकेश मालवीय उपस्थित रहे।

# हरीताय नमः फाउंडेशन ने मनाया सतत पौधारोपण अभियान 100 दिन पूरे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

**रमेशचंद्र ।** नीमराना, राजस्थान - प्रकृति की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा के संकल्प के साथ कार्य कर रही हरीताय नमः फाउंडेशन ने अपने सतत पौधारोपण अभियान के 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर मिशन में सहयोग देने वाले सभी साथियों का आभार प्रकट किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष महेश राज, कोषाध्यक्ष मदन प्रजापत एवं सचिव योगेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले 100 दिनों में संस्था ने गांव व आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रभावी जनजागरण अभियान चलाया है। पौधों को गोद लेने की पहल, पेड़ों की सुरक्षा, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति जागरूकता और जनहित से जुड़े कई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए गए। फाउंडेशन की टीम में सक्रिय रूप से योगदान देने वाले सदस्यों - भूपेंद्र जांगिड़, झाबर सिंह, यादराम खरेरा, नन्द किशोर, जयपाल यादव, राकेश सैन, भूपेंद्र सिंह राघव, शेर सिंह (शेरा), पिंटू सिंह राघव - ने भी इस मिशन को निरंतर गति दी। सचिव योगेंद्र सिंह ने कहा, 'आप सभी के सहयोग से ही यह सफर इस मुकाम तक पहुँच पाया है। हम इस अभियान को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाएंगे।' अध्यक्ष महेश राज ने बताया कि आने वाले समय में विद्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने की योजना है। कोषाध्यक्ष मदन प्रजापत ने कहा, 'धरती को हरा-भरा बनाना हर नागरिक का कर्तव्य है। हम अधिक से अधिक युवाओं को इस मुहिम से जोड़ने पर विशेष ध्यान देंगे।'

# आप्रेशन ट्रैकडाउन के तहत सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने 55 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त सहित एक व्यक्ति और चार महिलाओं को किया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रैकडाउन विशेष अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 55 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त सहित एक व्यक्ति और चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप-निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि दिनांक 21 नवंबर 2025 को पुलिस टीम रूटीन गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर खास ने सूचना दी कि एक व्यक्ति और चार महिलाएं भारी मात्रा में डोडा पोस्त को तीन अलग-अलग प्लास्टिक कट्टों में छुपाकर राजस्थान से फतेहाबाद ला रहे हैं तथा सामान्य बस अड्डा फतेहाबाद के बाहर पंजाब जाने के साधन का इंतजार कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत दबिश दी और मौके पर एक व्यक्ति तथा चार महिलाओं को काबू किया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 55 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ।

**मुकदमा दर्ज, जांच जारी -** पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए थाना शहर फतेहाबाद में मुकदमा संख्या 448/2025 दर्ज किया तथा सभी आरोपियों को हवालात में बंद कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

# टोहाना सदर थाना पुलिस ने नशीली गोलियों के मामले में पांचवां आरोपी किया काबू

## सदर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर शादी राम की कार्यशैली से क्षेत्र में लोगों में हो रही है प्रशंसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

**रजत विजय रंगा ।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत सदर टोहाना पुलिस ने नशीली गोलियों की तस्करी मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।आरोपी की पहचान सुखनीत उर्फ टीम्मी पुत्र गुरदीप सिंह निवासी गांव फुलांवाला, थाना मोतीनगर, जिला लुधियाना (पंजाब) के रूप में हुई है।थाना सदर टोहाना प्रभारी उप-निरीक्षक शादी राम ने बताया कि दिनांक 15.09.2024 को पुलिस पार्टी को मुखबिर खास से सूचना मिली कि आरोपी सुरेंद्र सिंह कट्टा प्लास्टिक में नशीली दवाइयां भरकर गांव ललौदा से सनियाना जाने वाली सड़क पर पैदल ले जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर रेड की और नशीली दवाइयों सहित आरोपी को दबोचा गया । जिस पर थाना हजा में 284/2024 मामला दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इसी कड़ी में पांचवां आरोपी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया और उसे तीन दिन की पुलिस अभिरक्षा रिमांड प्राप्त की गई ताकि मामले की गहन जांच कर नशीली दवाओं के पूरे नेटवर्क तक पहुंचा जा सके।मामले की जांच जारी है।

# टोहाना सिटी पुलिस ने 6.10 ग्राम हेरोइन मामले में मुख्य सप्लायर को दबोचा

## आरोपी के खिलाफ पहले भी दर्ज हैं दो मामलेहै-एस एच ओ इन्स्पेक्टर प्रहलाद सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

**रजत विजय रंगा ।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा नशे के खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई करने संबंधी दिए गए निर्देशों के तहत टोहाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। 6.10 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में पुलिस ने अब नशा सप्लाई चेन के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सुरज उर्फ भालू पुत्र सुरेश कुमार, निवासी किल्ली मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है।

### कैसे पकड़ा गया था पहला आरोपी

थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि 19.05.2024 को पुलिस टीम रूटीन गश्त के दौरान फतेहाबाद से भूना, डुल्ट, चंदड़ कलां होते हुए टोहाना शहर की ओर जा रही थी। जब पुलिस टीम टोहाना बाईपास के आगे पुन्नी फैक्ट्री के पास पहुंची, तो एक युवक काले रंग की स्कूटी के पास संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। शक के आधार पर युवक को रोका गया और तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 6.10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना में मामला संख्या 292/2025 दर्ज किया और आरोपी को काबू कर लिया था।

### मुख्य सप्लायर भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने नशा वितरण नेटवर्क का खुलासा किया और उसी कड़ी में मुख्य सप्लायर सुरज उर्फ भालू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जिला जेल हिसार भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

# ऑपरेशन ट्रैकडाउन में फतेहाबाद पुलिस की बड़ी सफलता

## एसपी सिद्धांत जैन के सख़्त दिशा-निर्देशों से अपराधियों में दहशत, एक दिन में 9 कुख्यात आरोपी काबू; अबतक कुल गिरफ्तारियाँ 49

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** फतेहाबाद जिले में अपराधियों पर पूरी तरह नकेल कसने के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दृढ़ नेतृत्व और रणनीतिक मार्गदर्शन का सीधा परिणाम है कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन निरंतर बड़ी सफलताएँ दर्ज कर रहा है। उनके नेतृत्व में पुलिस ने एक ही दिन में 9 कुख्यात आरोपियों को गिरफ्तार कर एक और अहम उपलब्धि हासिल की है। इनमें हथियार के बल पर धमकी देने वाले, नशा तस्करी में सक्रिय तथा अवैध हथियार रखने वाले आरोपी शामिल हैं। ताजा कार्रवाई के बाद अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है—जो जिले में बढ़ी पुलिस कार्रवाई की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

### एसपी सिद्धांत जैन की सख़्त नीति—अपराधियों में खौफ, जनता में भरोसा

अभियान की जानकारी साझा करते हुए एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन का मकसद जिले में सक्रिय अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ तेज़, त्वरित और परिणामकारी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि उनके निर्देशानुसार गठित विशेष टीमें नशा तस्करी, चोरी, मारपीट, संगठित अपराध तथा वारंट फरार आरोपियों पर लगातार निगरानी रख रही हैं। बीते 24 घंटों में पकड़े गए 9 आरोपी लंबे समय से पुलिस की तलाश में थे। एसपी जैन के नेतृत्व में जिले में अपराध पर नियंत्रण के लिए बनाई गई रणनीति का सीधा असर अब जमीन पर दिखाई दे रहा है अपराधी भूमिगत होने लगे हैं और आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है।

### डीजीपी के निर्देश पर पूरे हरियाणा में अभियान तेज

हरियाणा के माननीय पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह, आईपीएस के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में ऑपरेशन ट्रैकडाउन चल रहा है। इसी अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, स्नैचिंग, अवैध हथियार तस्करी और नशा तस्करी में सक्रिय अपराधियों पर लगातार प्रहार कर रही है। एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में अब तक 49 कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है, जो जिले में पुलिस की सक्रियता और अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति का स्पष्ट प्रमाण है।

# टोहाना के भूना रोड़ स्थित आदर्श कालोनी में जिशम फिरोसी बंद न होने से मौहल्ला वासी परेशान

## स्थानीय पुलिस की पकड़ से बाहर होने पर स्थानीय नागरिकों ने डीजीपी हरियाणा को की शिकायत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

टोहाना के भूना रोड़ पर स्थित आदर्श कालोनी निवासियों की लाख कौशिशों के बाद भी आदर्श कालोनी, भूना रोड़, कालेज के सामने कालोनी में कुछ औरतों द्वारा सरे-आम जिश्म फिरोशी के अवैध व अनैतिक काम से मौहल्ला वासी काफी परेशान हो चुके हैं। मौहल्ला वासीयों ने बताया कि कुछ औरतों ने मौहल्ले की बाकी औरतों व इज्जत दार परिवारों का भी जीना दुश्वार कर रखा है जिससे उनके परिवार व बच्चों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। मौहल्ले में रह रहे एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया बताया कि सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस आदर्श कालोनी जहां पांच सात परिवार यह जिश्म फिरोसी का धंधा करती है के सामने राजकीय इंद्रा गांधी महाविद्यालय का भवन है तथा युवाओं का आना जाना भी इसी रोड़ से रहता है जिससे कालोनी के सामने कुछ आवारा किस्म के लोगों का जमघट लगा रहता है, स्थानीय जनता का कहना है कि स्थानीय शहर पुलिस के कुछ कर्मचारियों व डीएसपी टोहाना के कार्यालय का कोई कर्मचारी इस गौरखधंधे में शामिल महिलाओं को पुलिस आने की सूचना रेड पड़ने से पहले ही दे देता है जिससे वो बच निकलने में कामयाब हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने इस सम्बन्ध में हरियाणा पुलिस के डीजीपी पंचकूला को शिकायत भेज इस समस्या के स्थाई समाधान का अनुरोध किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस पूरे सैक्स रैकेट को चलाने वाली एक दो महिलाओं का स्थानीय लोकल पुलिस के किसी कर्मचारी से सांठगांठ की भी जांच होनी चाहिए जिससे इस अनैतिक कार्य पर अंकुश लगाया जा सके।

## संक्षिप्त समाचार

### बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप, बंगाल में भी तेज झटके ; नरसिंगडी में रहा केंद्र

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद पश्चिम बंगाल में भी तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। अमेरिकी एजेंसी– यूएसजीएस ने बताया है कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंगडी के पास रहा। फिलहाल, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में सूचनाएं लगातार अपडेट हो रही हैं। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के झटके शुक्रवार सुबह 10.08 बजे महसूस किए गए। भूकंप से जुड़ी एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भूकंप आया। डेली स्टार की इस खबर के अनुसार, बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हुमायूं अख्तर ने बताया कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आए भूकंप के झटके बहुत तेज थे। प्रोफेसर अख्तर के मुताबिक हाल के दिनों में, बांग्लादेश ने में इतनी तीव्रता के झटका महसूस नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीमा पर बसे कोलकाता और आसपास के इलाकों के निवासियों ने भी भूकंप के हल्के झटके महसूस करने की बात कही। लोगों ने बताया कि भूकंप के दौरान पंखे और दीवार पर लटकने वाली चीजें हिलती दिखीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल से भूकंप में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

### अमेरिका के अलास्का में अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा

**अलास्का , एजेंसी।** अमेरिका के अलास्का में स्थित उटकियाग्विक शहर में इस साल का आखिरी सूर्यास्त 18 नवंबर को दर्ज किया गया। अब यहां अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा। यह टाइम पीरीयड पोलर नाइट कहलाती है। यह शहर उत्तरी अमेरिका का सबसे उत्तरी कस्बा है और आर्कटिक सर्कल से करीब 483 किलोमीटर आगे है। यहां करीब 4,600 लोग रहते हैं। सर्दियों में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूरज से दूर झुक जाता है, इसलिए दिसंबर के आसपास यहां कई हफ्तों तक सूरज ऊपर नहीं उठता। थोड़ी रोशनी सिर्फ दोपहर में दक्षिण दिशा में हल्की लालिमा (ट्वाइलाइट) और कभी–कभी आकाश में नॉर्दर्न लाइट्स से मिलती है। अगला सूर्योदय यहां 22 जनवरी 2026 को होगा। यहां तापमान अक्सर माइनस 30–40 डिग्री फॉरेनहाइट तक चला जाता है। गर्मियों में उल्टा होता है। मई के मध्य से अगस्त के शुरू तक यहां सूरज बिल्कुल नहीं डूबता, यानी 24 घंटे दिन रहता है।

### मेहुल प्रत्यर्पण मामले की बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में 9 को सुनवाई

**ब्रसेल्स, एजेंसी।** भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाला मामला बेल्जियम की सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसैशन में 9 दिसंबर को सुना जाएगा। चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में 17 अक्तूबर के एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत की ओर से प्रत्यर्पण की मांग को वैध और लागू करने योग्य माना गया था। कोर्ट ऑफ कैसैशन केवल कानूनी पहलुओं की समीक्षा करती है और नए सबूत या तथ्य पेश नहीं किए जा सकते। एजेंएडवोकेट जनरल हेनरी वांडरलिंडेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुनवाई लिखित रूप में होगी। यदि अदालत अपील स्वीकार नहीं करती है तो यह केवल कानूनी कारणों से होगा। बता दें कि 17 अक्तूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की चार सदस्यीय पीठ ने मुंबई विशेष न्यायालय की ओर से मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू होने योग्य करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर उचित न्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का खतरा नहीं है। चोकसी पर पीएनबी घोटाले में 13,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप है, जिसमें सीबीआई के अनुसार अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये का गबन किया। जनवरी 2018 में घोटाले के सामने आने से पहले वह एंटिगुआ और बारबुडा भाग गया था और बाद में बेल्जियम में देखा गया।

### आईएईए ने ईरान से मांगी यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने ईरान से हथियार–स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी मांगी है। आईएईए ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों तक पूर्ण व त्वरित पहुंच भी प्रदान करे। वियना में आईएईए के महानिदेश राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीने में नहीं कर पाए हैं।

# ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन स्थल पर लगी आग, 21 घायल, बाहर निकाले गए हजारों लोग

**बेलेम, एजेंसी।** ब्राजील के बीलेम में चल रहे सीओपी30 क्लाइमेट समिट के मुख्य स्थल 'ब्लू जोन' में गुरुवार दोपहर आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। इस आग की वजह से कम से कम 21 लोग घायल हो गए। वहीं आग लगते ही हजारों प्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और कर्मचारी सुरक्षा के लिए बाहर की ओर दौड़ पड़े, वहीं मौके पर मौजूद हजारों लोगों को तेजी से बाहर निकाला गया और इस वार्ता को रोकनी पड़ी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग की संभावना इलेक्ट्रिकल उपकरण, संभवतः माइक्रोवेव से लगी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या जलवायु सुरक्षा पर ध्यान देने वाले सम्मेलन में भी सुरक्षा नियमों का पालन नहीं होता? स्थानीय समयानुसार आग दोपहर 2 बजे लगी और सुरक्षा फुटेज में देखा गया कि आग ने पवेलियन की दीवार और छत के अंदर लगे फैब्रिक को जलाया। धुंआ उठता देख लोग चिल्लाते हुए बाहर निकले। दूसरी ओर पूरी तरह से तैयार फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर सिर्फ छह मिनट में काबू में कर लिया। बताया जा रहा है कि घायल लोगों में 19 लोग धुएं के कारण घायल हुए, वहीं दो लोग घबराहट के चलते।

यह घटना समिट के शुरू होने के बाद तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले स्थानीय आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने स्थल पर प्रदर्शन किया और प्रवेश मार्ग को ब्लॉक किया था। आयोजक ब्राजील और यूएनएफसीसीसी ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षा उपाय किए और आग को नियंत्रित किया।

**यूएन महासचिव ने क्या कहा :** वहीं इस हादसे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया देख रही है और सभी को महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंचने की अपील की। समिट के आखिरी दिन से 24 घंटे से भी कम समय बचा है और लगभग 200 देशों के प्रतिनिधि अभी भी सहमति बनाने की कोशिश में हैं। ब्राजील ने इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई को तेज करने और पुराने वादों को वास्तविक परिणाम में बदलने के लिए बहुत जरूरी बताया।

**फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीम अलर्ट पर :** स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए हैं और फिलहाल आग के कारणों की जांच की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सचिवालय ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए सभी लोगों को स्थल खाली करने का निर्देश दिया। संदेश में कहा गया ध्यान दें: जोन बी में आग की घटना हुई है। कृपया तुरंत स्थल खाली करें। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। एक यूएन सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन सुरक्षा जांच के कारण अभी किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति का पूरा आकलन किया जा रहा है और सभी 13 घायलों को मौके पर ही धुएं से प्रभावित होने पर इलाज दिया गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। इस सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सीओपी30 जलवायु सम्मेलन अमेजन क्षेत्र के बेलेम शहर में 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

**कई किलोमीटर दूर से दिखा धुएं का गुबार :** आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

**छह मिनट में आग पर काबू पाया गया :** कार्यक्रम के आयोजक यूएन सीओपी30 प्रेसीडेंसी और यूएनएफसीसीसी ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के वार्षिक सीओपी30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है। इसमें 190 से ज्यादा देशों के हजारों लोग भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजकों ने अपने बयान में मेहमानों से कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के लिए अगली सूचना तक इंतजार करने कहा गया है। आग लगने से कई अहम बैठकें टली आग की वजह से कई अहम बैठकें रद्द या टल गईं। अब सम्मेलन का समय शुक्रवार शाम तक खत्म होने की बजाय देर रात या शनिवार तक खिंच सकता है। फिलहाल स्थल को पूरी तरह जांचने के बाद ही प्रतिनिधियों को दोबारा प्रवेश दिया जाएगा।

## 7 किलोमीटर लंबी सुरंग और अंदर 80 कमरे, हमास के अड्डे पर इजरायली सेना ने बोला धावा

**गाजा, एजेंसी।** इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी में हमास की एक बड़ी सुरंग का पता लगाया है, जहां हाल ही में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का शव रखा गया था। गोल्डिन 2014 के इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में घात लगाकर हमले में मारे गए थे। इस महीने की शुरुआत में इजरायल को उनके अवशेष मिले थे। एक्स पर एक पोस्ट में ढ्ढष्ठस्न ने उस सुरंग का वीडियो साझा किया जहां गोल्डिन का शव रखा गया था। आईडीएफ ने कहा कि यह सुरंग रफाह के घनी आबादी वाले इलाके के नीचे से गुजरती है। संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के कंपाउंड, मस्जिदों, क्लीनिकों और किंडरगार्टन स्कूलों से होकर जाती है। यह सुरंग हमास कमांडरों की ओर से हथियार रखने, हमले की योजना बनाने और लंबे समय तक ठहरने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। आईडीएफ के अनुसार, सुरंग 7 किलोमीटर से अधिक लंबी, 25 मीटर गहरी है और इसमें 80 कमरे हैं। इसे एलीट याहलोम कॉम्बैट इंजीनियरिंग यूनिट और शायेटेट 13 नेवल कमांडो यूनिट ने खोजा। सैन्य बलों को सीनियर हमास कमांडरों के कमांड पोस्ट के रूप में इस्तेमाल होने वाले कमरे मिले, जिनमें मुहम्मद शबाना भी शामिल है, जिसे मई में हमास नेता मोहम्मद सिनवार के साथ मार गिराया गया था। आईडीएफ ने कहा कि उसने मारवान अल-हम्स को गिरफ्तार किया है, जो लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन

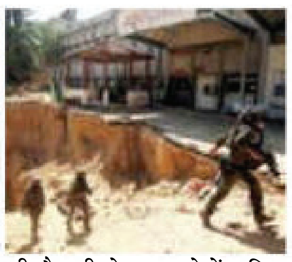

की मौत की घोषणा करने में शामिल हमास आतंकवादी है। अल-हम्स पर रफाह में व्हाइट-क्राउन्ड सुरंग में गोल्डिन के दफन स्थान की जानकारी होने का भी शक है।

**गाजा पट्टी में इजरायल के हवाई हमले जारी :** इजरायली सेना के मुताबिक, जुलाई 2025 का ऑपरेशन पिछले 6 महीनों में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन को वापस लाने और इजरायल में दफनाने के लिए किए गए दर्जनों गोपनीय ऑपरेशनों का हिस्सा था। इस बीच, गुरुवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजरायली हवाई हमलों में 5 लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। खान यूनिस के पूर्व में बनी सुहैला शहर में एक घर पर हमले में 3 लोग मारे गए, जिनमें एक नवजात शिशु भी शामिल है और 15 घायल हुए। पास के अबासन शहर में एक अन्य हमले में एक व्यक्ति मारा गया और तीन घायल हुए। ये हवाई हमले ऐसे समय हुए जब हमास और इजरायल एक-दूसरे पर लगभग छह सप्ताह पुराने नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं।

## अमेरिका -सऊदी एफ-35 डील के बीच इजरायल ने जताया भरोसा

**यरूशलम, एजेंसी।** अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इस पर इजरायल ने प्रतिक्रिया दी है। इजरायल का कहना है कि उसे भरोसा है कि वाशिंगटन उसे आगे भी आधुनिक अमेरिकी हथियारों तक विशेष पहुंच देता रहेगा। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल अभी मिडिल ईस्ट का अकेला ऐसा देश है जो एडवांस्ड स्टेल्थ एयरक्राफ्ट चला रहा है। अमेरिकी कानून के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी देश को ऐसे हथियार तभी दिए जा सकते हैं जब इससे इजरायल की सैन्य बढ़त कम न हो। प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने कहा, 'अमेरिका और इजरायल के बीच लंबे समय से यह समझ बनी हुई है कि रक्षा के मामले में इजरायल की गुणवत्ता-आधारित बढ़त बनी रहे। यह कल भी सच था, आज भी सच है और प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) का मानना ??है कि यह कल और भविष्य में भी सच होगा।' यह टिप्पणी इजरायली सरकार की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक के दौरान डील की घोषणा की थी। प्रस्तावित सौदे में 48 एफ-35 विमान शामिल हैं। इससे पहले, पिछले अमेरिकी प्रशासन ऐसे सौदों पर झिझकते रहे थे, लेकिन अब यह एक बड़ा बदलाव है। सऊदी अरब के साथ इस डील से ये तस्वीर बदलने वाली है। वहीं इसे लेकर जब ट्रंप से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले से जानकारी है। सऊदी अरब और इजरायल दोनों ही अमेरिका के अच्छे दोस्त हैं। इजराइल और सउदी अरब के बीच अभी औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। वाशिंगटन यात्रा के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा कि उनका देश इजरायल से संबंध सामान्य करना चाहता है, लेकिन इसके लिए उन्हें दो-राष्ट्र समाधान की स्पष्ट राह चाहिए, जिसमें फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता शामिल हो।

## ईरान की तेल तस्करी पर अमेरिकी कार्रवाई, भारत की दो कंपनियां भी नए प्रतिबंधों की सूची में

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की तेल तस्करी और गुप्त व्यापार नेटवर्क को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की एक शिपिंग कंपनी और एक पेट्रोलियम ट्रेडर समेत कई देशों की 17 कंपनियां, व्यक्ति और जहाज शामिल हैं। मामले में अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाए गए हैं ताकि उस पैसों के प्रवाह को रोका जा सके जिससे ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम, सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देता है। बता दें कि भारत की पेट्रोलियम ट्रेडर कंपनी टीआर6 पीईटीआरओ पर आरोप है कि उसने अक्तूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरान से आठ मिलियन डॉलर से अधिक का बिटुमेन खरीदा। अमेरिका के अनुसार यह ईरानी तेल की खरीद की श्रेणी में आता है, जो प्रतिबंधों का उल्लंघन है। इसलिए कंपनी को कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में डाल दिया गया।

**भारतीय शिपिंग कंपनी आरएन शिप प्रबंधन पर भी कार्रवाई :** दूसरी तरफ अमेरिकी द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की श्रेणी में मुंबई स्थित आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंपनी पर आरोप है कि उसने ऐसे जहाज चलाए जो ईरानी कच्चा तेल दूसरी कंपनियों के लिए गुप्त रूप से ले जाते थे। कंपनी से जुड़े दो भारतीय नागरिक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैयद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैयद को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कंपनी उन कई देशों के नेटवर्क का हिस्सा मानी जा रही है, जिनमें यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया शामिल हैं, जो ईरान के लिए चोरी-छिपे तेल परिवहन में मदद करते हैं।

**ईरान की एयरलाइन पर भी कार्रवाई :** इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान की निजी एयरलाइन माहान एयर और उसकी सहायक कंपनी यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर प्रतिबंध बढ़ाए हैं। दावा है कि एयरलाइन ईरान की आईआरजीसी-कोड्स फोर्स के साथ मिलकर सीरिया और लेबनान में हथियार और लड़ाके पहुंचाती है। माहान एयर के कई विमानों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका का दावा और प्रतिबंधों का प्रभाव, समझिए अमेरिका के मुताबिक, ईरान हाल ही में इस्राइल के साथ 12-दिवसीय युद्ध में हार के बाद अपनी सेना को फिर से खड़ा करने के लिए तेल के इस गुप्त कारोबार पर निर्भर है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की आय रोकना उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए जरूरी है। अब बात अगर इन प्रतिबंधों से पड़ने वाले प्रभावों की करें तो इन कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्ति अमेरिका में फ्रीज कर दी गई है।

ऐसे में अमेरिकी नागरिक और कंपनियां इनके साथ कोई भी व्यापार नहीं कर सकेंगे। साथ ही प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर कड़े जुर्माने या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। मामले में अमेरिका का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि ईरान को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए मजबूर करना है।

## दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के बयान पर अमेरिका का सख्त रुख, व्हाइट हाउस बोला- दावा पूरी तरह झूठा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका द्वारा बहिष्कार किए जाने पर व्हाइट हाउस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका आधिकारिक बातचीत का हिस्सा नहीं है और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं।

लेविट ने कहा अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में जी20 की आधिकारिक वार्ताओं में भाग नहीं ले रहा है। आज मैंने देखा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ बयान दे रहे थे, जिसे राष्ट्रपति और उनकी टीम बिल्कुल पसंद नहीं करती। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी राजदूत का उद्देश्य केवल अगले जी20 मेजबान देश के रूप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना है। लेविट ने कहा वे सिर्फ कार्यक्रम के अंत में होने वाले औपचारिक 'सेन्ड-ऑफ' में शामिल हैं, न कि किसी भी आधिकारिक बातचीत में, जैसा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति गलत तरीके से दावा कर रहे हैं। ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की बैठक पर भी प्रतिक्रिया व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की होने वाली मुलाकात पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि मेयर-इलेक्ट कल व्हाइट हाउस आएंगे। हमारी टीमें बैठक की तैयारियां कर रही हैं। लेविट ने टिप्पणी करते हुए कहा यह बहुत कुछ दर्शाता है कि कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट आने वाला है क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर के लिए उन्हें चुना है। लेकिन यह भी दिखाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और बातचीत करने के लिए तैयार हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक विचारधारा से हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी लोगों के हित में काम करना चाहते हैं, चाहे वे रेड स्टेट में रहते हों, ब्लू स्टेट में या ऐसे शहरों में जो अब पहले से ज्यादा वामपंथी होते जा रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के संबंध गौरतलब है कि अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच तनातनी को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप के कदम से दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण व्यापारिक रिश्ते और खराब हो सकते हैं। ट्रंप पहले ही दक्षिण अफ्रीकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा चुके हैं और कुछ गोरे किसानों को राजनीतिक शरण देने की पेशकश कर चुके हैं। ऐसे में अब आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका के साथ जुड़े कुछ देश भी ट्रंप के समर्थन में सम्मेलन से हट सकते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन इस सप्ताहांत जोहानसबर्ग में होना है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे।

## नेपाल : दिशाहीन सरकार होने का आरोप, जेन-जी ने की कार्की को हटाने की मांग

**काठमांडू, एजेंसी।** जेन-जी आंदोलन की अपेक्षाओं को पूरा न कर पाने का आरोप लगाते हुए 23 समूहों ने पीएम सुशीला कार्की सरकार हटाने की मांग की है। समूहों ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि कार्की सरकार 8-9 सितंबर के विद्रोह से मिले जनादेश के अनुसार काम करने में नाकाम रही है। ज्ञापन के अनुसार, मौजूदा सरकार की ओर से पांच मुख्य मागों में से किसी को भी पूरा न किया जाना अस्वीकार्य है। इन मागों में बड़े भ्रष्टाचार प्रकरणों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई, प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री के लिए संविधान संशोधन, विद्रोह के दौरान हुए नरसंहार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई, घायलों का उपचार और शहीद परिवारों को क्षतिपूर्ति व भरण-पोषण शामिल हैं। उसने कहा, विद्रोह की नींव पर बनी सरकार ने विद्रोहियों की न्यूनतम अपेक्षाएं भी पूरा नहीं कीं।

**बारा में फिर बढ़ा तनाव, कर्फ्यू, 10 घायल :** नेपाल के बारा जिले में बृहस्पतिवार उस समय फिर से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जेड के युवाओं से अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों संग हुई झड़प में 10 घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में हालात काबू करने को फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और उन पर पथराव किया। छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। जेन-जेड के चार प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। एक अलग घटना में, जेन जेड ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी को फूंक दिया। नेपाल के मधेश प्रदेश के सभामुख रामचन्द्र मंडल पद से हटाए गए हैं। बुधवार को हुई प्रदेश सभा की बैठक में उनके खिलाफ पद के अनुरूप आचरण न करने संबंधी प्रस्ताव दो तिहाई मतों से पारित हुआ। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) से प्रदेश सभा (प्रोविंशियल असेंबली) के स्पीकर बने मंडल को मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर हुए सियासी विवाद के बाद प्रोविंशियल असेंबली के समीकरण बदलने के बाद पद से हटा दिया गया है।

## एपस्टीन फाइल्सः 'स्टार रिपोर्ट तो 48 घंटे में ही..,' लेविंस्की ने दस्तावेज जारी करने में देरी पर जताई नाराजगी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी कार्यकर्ता और लेखिका मोनिका लेविंस्की ने एपस्टीन फाइल्स को जारी करने में लगने वाले समय पर नाराजगी जाहिर की। लेविंस्की ने कहा कि सरकार इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में काफी देर कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें न्याय विभाग को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया है। इस कानून के तहत अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को तीस दिनों के भीतर ये दस्तावेज जारी करने होंगे। प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में यह विधेयक उस समय पारित हुआ, जब एपस्टीन की बातचीत से जुड़े ईमेल सामने आए। इन ईमेल में 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' नाम का जिक्र किया गया था। इसके बाद यह इंटरनेट 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' वायरल होने लगा। लोग समझ बैठ के कि बुब्बा से बिल क्लिंटन का इशारा है, क्योंकि उनका यही उपनाम रहा है। बाद में एपस्टीन के भाई मार्क ने स्पष्ट किया कि बुब्बा किसी निजी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया गया था, न कि क्लिंटन के लिए। लेकिन तब तक इंटरनेट पर यह विवाद काफी बढ़ चुका था। इस बीच, सोशल मीडिया में लोगों ने नया शब्द 'डोनिका लेविंस्की' गढ़ दिया, ताकि ट्रंप और लेविंस्की की पुरानी कहानी के बीच तुलना की जा सके। दूसरी ओर, ट्रंप ने न्याय विभाग और एफबीआई को निर्देश दिया कि वे एपस्टीन के क्लिंटन और अन्य लोगों से संबंधों की जांच करें और एजेंसियों ने इसें मंजूर भी कर लिया। इस घटनाक्रम के बीच लेविंस्की ने एपस्टीन के दस्तावेजों को सार्वजिक करने में देरी को लेकर ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें लिखा था- न्याय विभाग तीस दिनों के भीतर एपस्टीन फाइल्स जारी करेगी, बॉन्डी का बयान।' उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में एक संवाद बॉक्स

(टेक्स्ट बबल) लगाया, जिसमें लिखा- 'अजीब है कि जब कांग्रेस ने स्टार रिपोर्ट जारी करने के लिए वोट किया था, वह 48 घंटों के अंदर ही ऑनलाइन आ गई थी... शायद उससे भी जल्दी।' यह तस्वीर पहले लेविंस्की ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर डाली, बाद में इसे एक्स पर भी साझा किया गया। स्टार रिपोर्ट वह सरकारी दस्तावेज था, जिसे स्वतंत्र वकील केन स्टार ने तैयार किया था। इसमें उन्होंने क्लिंटन की जांच की थी और कहा था कि क्लिंटन ने जनवरी 1998 में शपथपत्र में झूठी जानकारी दी थी। उस समय क्लिंटन यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में प्रतिवादी के तौर पर पेश हो रहे थे। मोनिका लेविंस्की कौन हैं? लेविंस्की व्हाइट हाउस में इंटर्न रही हैं। 1990 के दशक के अंत में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ अपने संबंधों के कारण वह दुनियाभर में सुर्खियों में आई थीं। उनका और क्लिंटन का यह संबंध 'क्लिंटन-लेविंस्की स्कैंडल' के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसकी वजह क्लिंटन पर झूठ बोलने और न्याय में बाधा डालने के आरोप लगे और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी चली। पहले बिल क्लिंटन ने मोनिका के साथ किसी तरह के संबंधों से इनकार किया था और बयान दिया था- मेरे उस महिला के साथ कोई यौन संबंध नहीं हैं। लेकिन बाद में सूबत सामने आने के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और मोनिका के बीच अनुचित शारीरित संबंध थे। यह स्वीकारोक्ति 1998 में आई थी, जब जांच और गवाही में तथ्यों की वजह से वह दबाव में आ गए थे। तब उन्होंने कहा था, मैंने ऐसा व्यवहार किया था जो गलत था..उन मुलाकातों में अनुचित अंतरंग संपर्क शामिल था। इसके बाद ही उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही हुई थी।

मोनिका ने जांच के दौरान अपनी गवाही में कहा था कि उनका और बिल क्लिंटन का संबंध था। उन्होंने अपनी डायरियों, पत्रों और बातचीत के सबूत भी जांच एजेंसियों को दिए थे, जिसने क्लिंटन को सच स्वीकार करने को मजबूत किया था। आज मोनिका एक टेलीविजन व्यक्तित्व, कार्यकर्ता और लेखिका हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे धर्मेंद्र प्रधान का नाम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी अब तक अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अंतिम फैसला नहीं ले सकी है। हालांकि, अब कहा जा रहा है कि इस पद पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। इसकी बड़ी वजह बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा का शानदार प्रदर्शन है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भाजपा ने बिहार में प्रधान को चुनाव प्रभारी बनाया था। टेलीग्राफ की रिपोर्ट में सत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि बिहार में यह जीत भाजपा और आरएसएस में अध्यक्ष पद को लेकर जारी खींचतान खत्म करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन ने उन्हें इस पद की दौड़ में आगे कर कर दिया है। चुनाव से पहले वह लंबे समय तक बिहार में रहे। एक ओर जहां उन्होंने बागियों को नामांकन वापस लेने में मनाया। वहीं, कैडर को भी मजबूत करने में सफलता हासिल की है।
रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा, महाराष्ट्र और अब बिहार चुनाव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी को मजबूती दी है, जिसपर लोकसभा चुनाव के दौरान मिले झटके के चलते असर पड़ा था। अखबार से बातचीत में एक केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मोदी जी अब आरएसएस को मनाने में सफल हो सकते हैं कि भाजपा का अध्यक्ष उनकी चॉइस का हो।' जुलाई में इस पद के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम भी आगे चल रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, जब भाजपा ने यादव और प्रधान का नाम आगे बढ़ाया, तो आरएसएस ने मंजूरी देने से पहले विचार विमर्श की जरूरत बताई थी। कहा जाता है कि प्रधान ने ही ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा को बीजू जनता दल से अलग होकर चुनाव लड़ने के लिए मनाया था, जिसके बाद भाजपा राज्य में सत्ता बनाने में सफल हुई। रिपोर्ट में एक भाजपा नेता के हवाले से बताया गया है, 'इससे पहले संकेत मिल रहे थे कि दक्षिण से नेता भाजपा अध्यक्ष बना सकता है। उप राष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन के चुनाव के बाद यह माना जाने लगा है कि पार्टी प्रमुख उत्तर से होगा।' मौजूदा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का तीन साल का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो चुका था, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विस्तार दिया गया।

### बिहार हार के बाद संकट में आईएनडीआईए गठबंधन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बिहार में विपक्ष की करारी हार के बाद उठ रही सियासी खलबली और अटकलों के बीच कांग्रेस ने साफ कहा है कि वह आईएनडीआईए गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय स्तर पर इस मोर्चे को और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने प्रयास दोगुने करेगी। पार्टी ने इस धारणा को निराधार बताया कि बिहार नतीजों के बाद गठबंधन ढीला पड़ सकता है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन समान विचारधारा वाली पार्टियों को एक मंच पर लाने के लिए बनाया गया है, ताकि भाजपा की 'प्रतिगामी राजनीति' का सामूहिक मुकाबला किया जा सके। उन्होंने कहा- गठबंधन की बुनियाद में कोई बदलाव नहीं आया है। कांग्रेस आईएनडीआईए के प्रति प्रतिबद्ध है और इसका प्रभाव बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे। बिहार नतीजों के बाद उठे सवालों पर कांग्रेस का जवाब बिहार विधानसभा चुनावों में आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन की करारी हार के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई थी कि आईएनडीआईए गठबंधन कमजोर पड़ सकता है। कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी भविष्य में बिहार में आरजेडी के बिना स्वतंत्र रूप से लड़ने की बात कही थी। इसके अलावा, मुंबई के प्रतिष्ठित बीएमसी चुनावों में कांग्रेस के एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) से अलग होकर लड़ने की अटकलों ने भी विपक्षी एकता पर सवाल खड़े कर दिए। विपक्ष के इस बिखराव को भाजपा के लिए फायदे का सौदा माना जा रहा है।

# लाल किला ब्लास्ट के बाद ऐक्शन में एलजी

## दिल्ली पुलिस कमिश्नर और सीएस को दिए 5 निर्देश

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हाल ही में लाल किले के बाहर हुए आतंकवादी विस्फोट के बाद दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को एहतियाती और निवारक कदम उठाने का निर्देश दिया है। एलजी सचिवालय की ओर से पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को भेजे गए अलग-अलग पत्र में पुलिस को कई निर्देश जारी किए गए हैं। बता दें कि, दिल्ली में 10 नवंबर की शाम एक हुंडई द्व20 कार में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे और करीब 24 लोग घायल हुए थे।

एलजी ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली में अमोनियम नाइट्रेट का निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वालों का रिकॉर्ड रखा जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के साथ विचार-विमर्श कर नफरती और भड़काऊ कंटेंट पर नजर रखी जाए। सीसीटीवी कैमरा कवरेज और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर नजर रखने के लिए भीड़भाड़ वाले बाजारों और बस अड्डों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए।

**एलजी की ओर से भेजे गए पत्र में क्या-क्या निर्देश दिए गए**

1. एक निश्चित सीमा से अधिक अमोनियम नाइट्रेट खरीदने और बेचने वाली संस्थाओं का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर रखा जाए, जिसमें अन्य संबंधित डिटेल के अलावा खरीदारों और विक्रेताओं की तस्वीर भी शामिल हो।
2. नागरिकों का ब्रेनवॉश करने के उद्देश्य से कट्टरपंथी सामग्री की वैज्ञानिक ट्रैकिंग के लिए मेटा, ट्विटर एक्स आदि सहित सोशल मीडिया प्लैटफार्मों के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श करें।
3. कट्टरपंथ से ग्रस्त कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी को मजबूत करें। अधिक मजबूत निवारक पुलिसिंग के लिए सामुदायिक आउटरीच और नागरिक जुड़ाव को भी बढ़ाया जाना चाहिए।
4. ऐसे मेडिकल प्रोफेशनल्स जिन्होंने दूसरे देशों से डिग्री ली है, उनकी जानकारी पुलिस डिपार्टमेंट के साथ भी शेयर की जानी चाहिए ताकि सेकेंडरी बैकग्राउंड चेक किया जा सके।
5. सेकेंड हैंड गाड़ियों की खरीद-फरोख्त में लगे सभी डिजिटल प्लैटफॉर्म और फाइनेंसर के साथ चर्चा करें। साफ निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसी भी हालत में ऐसी गाड़ियों को चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी जिनका असली मालिक रजिस्टर्ड मालिक से अलग हो। यह समस्या ऑटो रिक्शा के मामलों में सबसे ज्यादा गंभीर बताई जाती है, जहां परमिट होल्डर असली मालिक से अलग होता है।

## लाल किले के धमाके ने दिल्ली पुलिस को बदल दिया

# अब हर गाड़ी-हर बैग पर शक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लाल किले के पास हुए भयानक धमाके के बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से बदल गई है। पहले जहां पुलिस की दिनचर्या में सिर्फ रूटीन चेकिंग होती थी, अब हर पुलिसवाला हर पल अलर्ट मोड में है। पार्क की हुई गाड़ी हो या दुकान के बाहर खड़ा कोई बैग अब कुछ भी सामान्य नहीं लगता। पुलिस लगातार मुस्तैद दिखाई देती है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखती है।टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, करोल बाग के मशहूर गफ्फार मार्केट में तो माहौल ही अलग है। 10 नए-नए बोर्ड लग गए जिन पर पुलिस का नंबर चमक रहा है। ऊंचे-ऊंचे मचान और मोर्चे बन गए। हर दस मिनट में लाउडस्पीकर गरजता है- कोई संदिग्ध वस्तु दिखे तो तुरंत बताएं। मोबाइल की दुकानों को सख्त हिदायत दी गई है कि फोन देने से पहले ग्राहक का आईडी अच्छे से चेक कीजिए। स्ाह्र करुणा सागर ने बताया कि ब्लास्ट के अगले दिन सुबह से ही सख्ती शुरू हो गई थी। धमाके वाली शाम कोतवाली थाने में कांस्टेबल अनिल ओझा ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज देख रहे थे। अचानक ज़ोरदार धमाका हुआ और थाने की छत का एक टुकड़ा गिर गया। वो बताते हैं कि पहले तो लगा कोई पेड़ गिर गया, लेकिन बाहर निकले तो चीखें सुनाई दीं। सब-इंस्पेक्टर रमेश चंद उस शाम आसपास गश्त कर रहे थे। वे बताते हैं, अब सब कुछ बदल गया है। गश्त का पैटर्न, निगरानी, यहां तक कि अनाउंसमेंट का लहजा भी। अब गाड़ी रुकवा कर सबसे पहले रियर सीट में झांकते हैं। पार्किंग में चेकिंग दोगुनी कर दी। सिक्योरिटी गार्ड्स को भी ड्राइवर का भी एचएचएमडी से चेक करने के निर्देश दिए गए हैं। एसीपी अशीष कुमार बताते हैं, गफ्फार और अजमल खान मार्केट पहले से ही संवेदनशील थे, लेकिन धमाके के बाद तो डर साफ दिख रहा था। लाखों लोग आते-जाते हैं, दर्जनों गेट हैं, हमने ष्ठस्नरूष्ठ और एचएचएमडी चेकिंग को और सख्त कर दिया।

# दिल्ली के द्वारका में होगी पानी की किल्लत खत्म !

**नई दिल्ली, एजेंसी।** द्वारका और इसके आसपास के इलाके में पानी की किल्लत झेलने वाले लाखों लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है। जल बोर्ड ने पानी की किल्लत दूर करने के लिए 50 एमजीडी क्षमता के द्वारका जल शोधन संयंत्र के संचालन के लिए कच्चे पानी की पुनर्वितरण योजना को अंतिम रूप दे दिया है। ओखला, वजीराबाद, निलोठी और द्वारका के प्रमुख ट्यूबवेल में उपलब्ध भूजल संसाधनों के माध्यम से यहां निर्बाध कच्चे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे द्वारका एवं आसपास के इलाकों में पानी की आपूर्ति में सुधार आएगा। जल बोर्ड की प्रस्तावित योजना के अनुसार कुल 228 ट्यूबवेल से 22.8 एमजीडी कच्चा पानी निकाला जाएगा। इसकी आपूर्ति ओखला, वजीराबाद, नांगलोई और नए द्वारका जल शोधन संयंत्र में की जाएगी। यह पूरी प्रणाली मौजूदा जल ढांचे को प्रभावित किए बिना कच्चे पानी के स्रोतों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेगी। इस महत्वपूर्ण पहल को लेकर जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली की बढ़ती आबादी को बहाने नहीं बल्कि आधुनिक जल समाधान चाहिए। 50 एमजीडी क्षमता वाले द्वारका जल शोधन संयंत्र का संचालन राजधानी की भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मंत्री ने कहा कि पानी की हर बूंद महत्वपूर्ण है। विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि दिल्ली को उसका उचित जल हिस्सा पूरी पारदर्शिता और वैज्ञानिक योजना के साथ मिले। उन्होंने कहा कि यह केवल भूजल का पुनर्वितरण नहीं है, यह जिम्मेदारी का पुनर्वितरण है। अभी तक जिन प्रणालियों को नजरअंदाज किया गया था, उन्हें हम सुधार रहे हैं। दिल्ली के लोग इसका प्रत्यक्ष लाभ महसूस करेंगे। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी योजना के कार्यान्वयन के चरण में प्रवेश कर रहे हैं। इसे चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा ताकि मौजूदा जल आपूर्ति बाधित न हो।

# नॉर्मल लाइफ नहीं बची... किले में तब्दील हुआ अल फलाह

## पुलिस के पहरे में डरे हुए हैं छात्र

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली के लाल किले के बाहर 10 नवंबर को हुए धमाके ने एक निजी मेडिकल कॉलेज को रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। फरीदाबाद का अल फलाह मेडिकल कॉलेज इन दिनों ऐसा लग रहा है मानो कोई थ्रिलर फिल्म का सेट हो। चारों तरफ पुलिस, मीडिया का हल्ला और स्टूडेंट्स-परेंट्स की धड़कनें तेज। यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट के अभिभावकों में भी डर का माहौल है। जिस कार ने लाल किले के बाहर धमाका किया, उसे डॉ. उमर उन नबी चला रहा था। उमर अल फलाह में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वहीं हरियाणा के जिस दौज गांव में पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए, उस किराए के मकान का मालिक था दूसरा प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल शकील था। दोनों अल फलाह में पढ़ाते थे। ऐसे में अल फलाह के स्टूडेंट्स के मन में डर और कई सवाल आने लाजमी हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी में गुरुवार से फिर से क्लासेस शुरू हो गईं। लेकिन यूनिवर्सिटी के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। अंदर स्टूडेंट्स डरे-सहमे दिखे। वहीं स्टूडेंट्स के माता-पिता उन्हें कॉलेज छोड़ने आए और बाहर इंतजार करते रहे। अगरा से आई एक लड़की के पिता मनोज कुमार ने बताया, पहले तो घर बुला लिया था। अब वापस भेज दिया, लेकिन दिल अभी भी धुकधुक कर रहा है। साल खराब करने का मन नहीं, पर जान का भी डर है। लखनऊ से आए सुशील मेहता का बेटा यहां पढ़ता है। वो कहते हैं, बच्चे ने इतनी मेहनत की थी हृश्वश्वञ्ज में। अब कॉलेज को खुलकर बताना होगा कि क्या हो रहा है।

# पाकिस्तान की फैक्ट्री में बॉयलर में जोरदार धमाका, 15 लोगों की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।**
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। जहां तड़के सुबह बॉयलर ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना भयानक था कि इससे फैक्ट्री में न सिर्फ आग लगी, बल्कि आस-पास की इमारतें भी गिर गईं। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

दरअसल,पंजाब प्रांत में लाहौर से 130 किमी की दूरी पर स्थित फैसलाबाद जिले के मलिकपुर इलाके में सुबह सुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से बड़ा धमाका हुआ। फैक्ट्री के बॉयलर में धमाके से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।

**धमाके से गिरी बिल्डिंगत्न** फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर ने रिपोर्टर्स को बताया कि मलिकपुर इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर में हुए जबरदस्त धमाके की वजह से आस-पास की इमारतें, जिसमें एक बिल्डिंग भी शामिल है, गिर गईं।

**रेस्क्यू ऑपरेशन जारी:** डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि अब तक रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 15 लाशें निकाली हैं और सात घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। डर है कि मलबे के नीचे और लोग हो सकते हैं। रेस्क्यू टीमें मलबा हटाने में लगी हुई हैं।

## ● मारिया कोरिना मचाडो के प्राइज लेने में बड़ा अड़ंगा

# नोबेल के सम्मान के साथ अपमान भी मिलेगा

**लंदन, एजेंसी।**
नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो व्यक्तिगत रूप से अवॉर्ड लेने जाने पर रोक लग सकती है। खबर है कि अगर वह पुरस्कार लेने नॉर्वे गईं, तो उन्हें वेनेजुएला सरकार भगोड़ा घोषित कर सकती है। पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होना है। लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रचार के लिए उन्हें नोबेल से नवाजा गया है। मचाडो के खिलाफ आतंकवाद संबंधी कई मामले दर्ज हैं। वेनेजुएला के एटॉर्नी जनरल तारिक विलियम साब ने कहा है कि विपक्ष की नेता मचाडो अगर नॉर्वे जाती हैं, तो उन्हें भोगाड़ा माना जाएगा। मचाडो का कहना है कि वह वेनेजुएला में छिपी हुई हैं और पुरस्कार लेने के लिए 10 दिसंबर को ओस्लो जाना चाहती हैं। साब ने कहा, कई आपराधिक जांचें चलने के बाद वेनेजुएला से बाहर जाने पर उन्हें भगोड़ा माना जाएगा।एजी ने कहा कि कैरेबियन में सैन्य तैनाती के लिए अमेरिका की मदद करने के मामले में भी मचाडो के खिलाफ जांच चल रही है। खास बात है कि मचाडो ने सैन्य मौजूदगी का स्वागत किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर, युद्धपोत और लड़ाकू विमानों को तैयार किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के आरोप हैं कि इसके जरिए उनकी सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है।

अक्तूबर में मचाडो ने कहा था कि वेनेजुएला की जनता की संप्रभु इच्छा को सम्मान दिलाने के लिए हम दृढ़ संकल्पित हैं और इस समय संघर्ष में हमारे मुख्य सहयोगी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वाल्ने फ्रिडनेस ने मारिया की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहराई तक विभाजित विपक्ष को एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं।

# ज्यादा मुंह चलाते हैं, उनकी भाषा पसंद नहीं

**जोहान्सबर्ग , एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 21 नवंबर से लेकर 23 नवंबर तक जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर निकल गए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहे 20वें जी-20 शिखर सम्मेलन से अमेरिका ने दूरी बना ली है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने साफ कहा कि अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में चल रहे त्न20 शिखर सम्मेलन की आधिकारिक बैठकों और वार्ताओं में हिस्सा नहीं ले रहा है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा पर अमेरिका और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के खिलाफ नेगेटिव बात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन को यह भाषा बिल्कुल पसंद नहीं है।

व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी ने यह भी साफ किया कि साउथ अफ्रीका में यूएसके राजदूत बस यह मानने के लिए वहां हैं कि अगला जी20 सम्मेलन (2026) अमेरिका में होगा, न कि किसी औपचारिक चर्चा में शामिल होने के लिए। लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, मैंने आज सुबह साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट को यूएस और यूएस प्रेसिडेंट के खिलाफ थोड़ा बोलते हुए देखा, और प्रेसिडेंट या उनकी टीम को यह भाषा पसंद नहीं आई। उन्होंने

कहा कि अमेरिकी राजदूत ऑफिशियल बातचीत में हिस्सा लेने के लिए वहां नहीं हैं, भले ही साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट झूठा दावा कर रहे हों।

# व्हाइट हाउस को बनाया स्टेडियम ! डिनर के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ ट्रंप का एआई वीडियो वायरल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ डिनर करने के कुछ दिनों बाद एक एआई -जनरेटेड वीडियो शेयर किया है। वीडियो में ट्रंप क्रिस्टियानो के साथ फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं।

एआई जनरेटेड वीडियो में ट्रंप व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ कीप-अप, हेडर और ड्रिबल करते नजर आ रहे हैं।

वीडयो पोस्ट करने के दौरान कैप्शन में ट्रंप ने लिखा - रोनाल्डो एक महान व्यक्ति हैं। व्हाइट हाउस में उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। वाकई स्मार्ट और शानदार। ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस के अंदर पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी के साथ फुटबॉल खेलते हुए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो पोस्ट किया। दोनों को ओवल ऑफिस में किक मारते हुए देखा जा सकता है, जबकि ट्रंप गेंद को रोकने के लिए अपनी एड़ियों पर घूमते हैं और फिर उसे दर्शक की ओर मारते हैं।

खबर लिखे जाने तक 44 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और दो मिलियन से अधिक लाइक आ चुके हैं। इस पर सोशल मीडिया यूजर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। वहीं कुछ यूजर मजाक भी उड़ा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, जिस तरह से मैं ट्रम्प को गेंद को सिर से मारने के लिए झुकते हुए देखता हूं, वह इसे और अधिक हास्यास्पद बनाता है, जबकि दूसरे ने कहा, नफरत करने वाले कहेंगे कि यह एआई है। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा, भाई, मुझे सचमुच लगा कि यह कोई मीम पेज है। यह अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। हाहा।

गौरतलब है कि ट्रंप और रोनाल्डो की मुलाकात सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सम्मान में व्हाइट हाउस में आयोजित डिनर के दौरान हुई। अपने भाषण में ट्रंप ने रोनाल्डो का जिक्र करते हुए कहा कि उनका सबसे छोटा बेटा बैरन पांच बार बैलन डी और पुरस्कार विजेता रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक है। उन्होंने रोनाल्डो को अपने किशोर बेटे से भी मिलवाया।

# पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

**– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया**

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया। दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

# बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

**सिडनी (एजेंसी)।** भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

# सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

**– जायसवाल को दी खास सलाह**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

# ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

**पर्थ (एजेंसी)।** पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उधेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी

गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

# महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

# सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा। दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

# टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

**भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में**

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

**सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप**

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

**अन्य संभावित ग्रुप्स**

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

**कहां होंगे मुकाबले?**

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

**टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप**

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

# भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

# गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे।

# केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई। बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

# भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फ़ोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव

रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

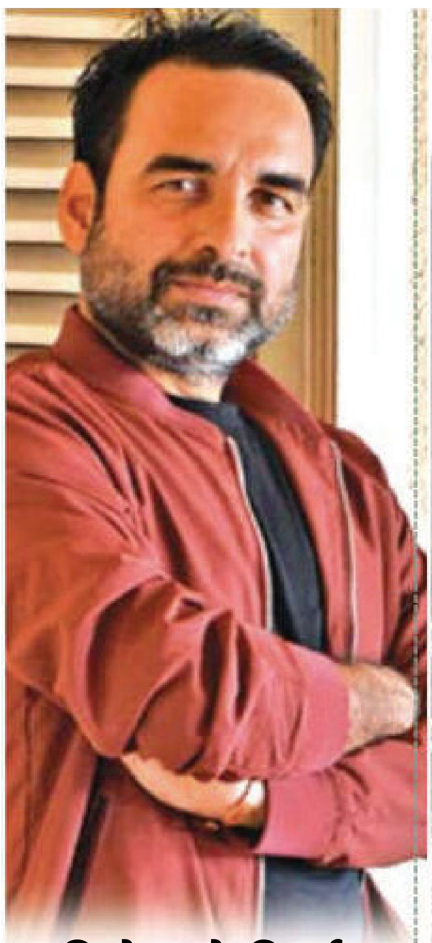

# अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़े पंकज त्रिपाठी

## परफेक्ट फैमिली से करेंगे डेब्यू

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

### ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

### पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

# बॉलीवुड की युवा अभिनेत्रियां जिन्होंने कम उम्र में किया डेब्यू

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

### अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

### शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना – द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

### सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी-तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

### नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां राशि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन – एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी-ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

### राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

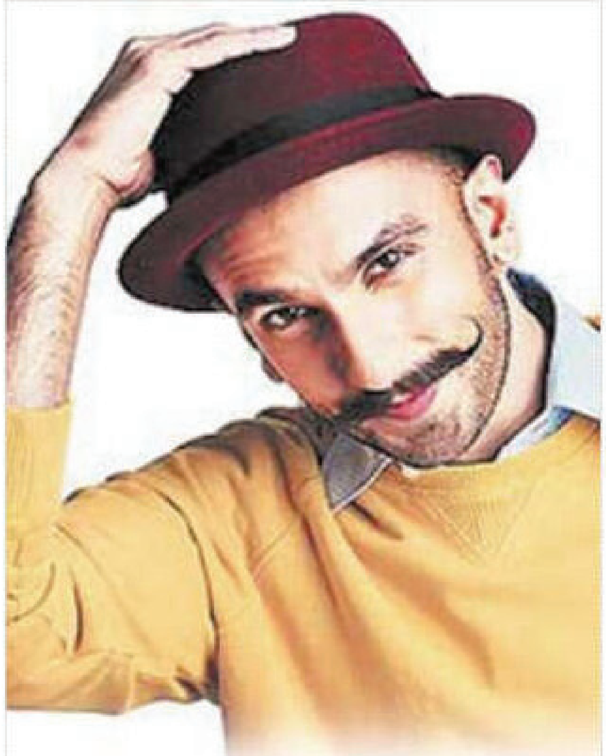

# रणवीर सिंह ने की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है।

### रणवीर ने सारा को बताया टैलेंटड

धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टेलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछा छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

### यकीन नहीं हो रहा ये आपकी पहली फिल्म है

आगे अपनी को-एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए रणवीर सिंह ने कहा कि आप उन बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने स्क्रीन साझा की है। उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि यह आपकी पहली फिल्म है। एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें मैं बहुत प्यार और सम्मान देता हूं, मणिरत्नम सर, आपने उनकी फिल्मों में भी काम किया है। आपने अपनी क्षमता दिखाई है और अब दुनिया आपको बड़े मंच पर देखेगी। मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। थैंक्यू सारा।

### 5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर' की बात करें तो आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

# लोगों को हंसा-हंसाकर रुलाएगी मस्ती 4

**मस्ती और क्या कूल हैं हम जैसी फिल्म फ्रेंचाइजी के जरिए भारतीय सिनेमा में अडल्ट कॉमिडी जॉनर को मजबूती देने वाले राइटर-डायरेक्टर मिलाप जवेरी एक लंबे अरसे बाद अब इसी कड़ी में मस्ती 4 लेकर आ रहे हैं। इन दिनों अपनी पिछली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की सफलता एंजॉय कर रहे मिलाप जवेरी से उनके फिल्म चॉइसेज को लेकर खास बातचीत -**

**आज रियलिस्टिक और ग्लोबल फिल्मों का दौर है। आपको क्यों लुभाता है यह 90 वाला कमर्शल सिनेमा?**

थिएटर में कर्मशल सिनेमा ही आखिर में चलता है। आप इस साल की चार बड़ी फिल्में ले लीजिए, छावा, सैयारा, रेड 2 और एक दीवाने की दीवानियत, ये सभी कमर्शल कहानियां हैं। कोई आर्ट हाउस सिनेमा नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से एंटरटेन करती हैं और ऑडियंस को एंटरटेन करने वाला कमर्शल सिनेमा ही चाहिए। जितना हम उससे दूर भागेंगे, हर साल हमारी फिल्मों की सफलता उतनी कम होती जाएगी। जितना हम ग्लोबल होने के चक्कर में पड़ेंगे, उतना अपनी जड़ों, अपने देसीपन भूलते जाएंगे और गलतियां करते जाएंगे। इसलिए, मेरी कोशिश तो हमेशा यही रहेगी कि मैं कमर्शल और मनोरंजक फिल्में ही बनाऊं, क्योंकि जब हम अपनी मिट्टी से जुड़ी कहानियां नहीं बताते तो ऑडियंस हमसे दूर हो जाती है। एक दीवाने की दीवानियत को जो लोग बोल रहे हैं कि 90 के दौर की कहानी है, वो यह भी देखें कि उसी 90 के दौर की कहानी को दर्शकों ने 100 करोड़ के पार पहुंचा दिया। मुझे उम्मीद है कि जैसे दीवानियत ने लोगों को रुलाया, वैसे मस्ती 4 हंसा-हंसा कर रुलाएगी।

**मतलब आपका कहना है कि बॉलिवुड फिल्ममेकर्स ऑडियंस को पहचानने में भूल कर रहे हैं?**

बिल्कुल, हम आलोचकों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम सिर्फ शहरी दर्शकों को खुश करने में एक्स्ट्रा मेहनत करते हैं और भूल जाते हैं कि इंडिया भारत में बसा हुआ है और उस भारत को मनोरंजन चाहिए, ज्ञान नहीं चाहिए। अगर हम दर्शकों को मनोरंजन देते रहेंगे, चाहे लव स्टोरी हो, ऐक्शन हो या कॉमिडी, वे उसे हमेशा सुपरहिट बनाएंगे। मैं हमेशा मास के लिए फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं क्योंकि हमारे थिएटर में मास ऑडियंस ही आती है।

**मस्ती फ्रेंचाइजी को वापस लाने का ख्याल क्यों आया? जबकि, आपके लीड ऐक्टर की उम्र 40-50 के पास पहुंच चुकी है?**

मस्ती एक सदाबहार इमोशन है। आप 20 साल के हो, 40 के या 50 के, मस्ती करने का सोचता हर कोई है। वो करे या न करे, सोचता तो है तो आज भले विवेक ओबरॉय, आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख की उम्र और कमर अलग है, मगर पर्दे पर मस्ती वे अब भी उतनी ही करते हैं। फिर, मस्ती रितेश, विवेक और आफताब के बगैर बन ही नहीं सकती। ये तीनों इसके अमर अकबर एंथनी हैं। इसके स्तंभ हैं और जब भी ये तीनों एक साथ आते हैं तो पब्लिक हंस हंसकर लोटपोट हो जाती है। तभी लोगों ने इस फ्रेंचाइजी को इतना प्यार दिया है, तो जब हमें इसे आगे बढ़ाने लायक कहानी मिली तो हम चौथा पार्ट लेकर आ गए हैं। बाकी, ये तो अच्छा है कि कुछ सालों से ये जॉनर पर्दे पर नहीं आया है तो लोगों को इसे देखने को लेकर ज्यादा उत्सुकता है क्योंकि जब आप लोगों को कुछ चीजों से वंचित रखते हैं तो उसकी एक्साइटमेंट कहीं ज्यादा होती है।

**क्रिटिसिजम को कैसे लेते हैं?**

वो तो पार्ट एंड पार्सल है इस जॉनर का। इस जॉनर को हमेशा ऐसी ही ट्रोलिंग मिली है, मगर ऑडियंस ने हमेशा प्यार दिया है तो मुझे ट्रोल्स की फिक्र नहीं होती है। उनकी राय उनको मुबारक हो। हम तो उन ऑडियंस के लिए ये बना रहे हैं, जिन्हें ये शरारतें, मस्ती, ये ह्यूमर और डबल मीनिंग जोक्स पसंद आता है। यह फिल्म उन ऑडियंस के लिए बनी है, अगर आपको ये चीजें नहीं पसंद आती हैं तो आप यह फिल्म मत देखिए।

**रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम के साथ आपके रिश्ते की मजबूती का क्या राज है?**

इन दोनों का ही जन्मदिन 17 दिसंबर को होता है तो इस दिन की कुछ तो खास बात जरूर होगी, क्योंकि दोनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रितेश ने हमेशा मेरा साथ दिया है। वह मेरे मित्र भी हैं। मेरे सेठ जी भी हैं। जॉन (अब्राहम) को मैं मेरा हल्क बुलाता हूं। जॉन ने मुझे सत्यमेव जयते के साथ एक नया करियर दिया था और वे आज भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों ने हर अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

# राजस्थान में कांग्रेस ने घोषित किए 45 जिलाध्यक्ष, 12 मौजूदा और 5 पूर्व विधायकों को मिली जिम्मेदारी

**जयपुर**

लम्बे इंतज़ार के बाद आखिर कांग्रेस ने 45 जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी. इस सूची में कई पूर्व मंत्री और विधायक शामिल हैं. कई नाम चौंकाने वाले भी हैं. बीकानेर ग्रामीण से विशनाराम सियाग. बीकानेर शहर से मदन गोपाल मेघवाल. बूंदी से महावीर मीणा. चित्तौड़गढ़ से प्रमोद सिंह सिसोदिया सिंह. चूरू से मनोज से मेघवाल. दौसा से रामजीलाल ओड़ को जिला अध्यक्ष बनाया गया है. वहीं डीडवाना कुचामन से जाकिर हुसैन गैसावत. धौलपुर से संजय जाटव. डूंगरपुर से गणेश घोघरा. हनुमानगढ़ से मनीष मक्कासर. जयपुर ग्रामीण पूर्व से गोपाल मीणा. जयपुर ग्रामीण पश्चिम से विद्याधर चौधरी. जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष का एलान नहीं हुआ है. इसके आलावा जैसलमेर से अमर दिन फकीर. जालौर से रमीला मेघवाल. झुंझुनू से रीता चौधरी. जोधपुर ग्रामीण से गीता बरवड़. जोधपुर शहर से ओमकार वर्मा को जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी दी गई है. विधायक विकास चौधरी, अर्जुन सिंह बामनिया, मनोज मेघवाल, जाकिर हुसैन गैसावत, संजय जाटव, गणेश घोघरा, विद्याधर चौधरी, रीटा चौधरी, गीता बरवड़,

घनश्याम मेहर, इंदिरा मीणा और रुपिंदर सिंह कुन्नर को बनाया जिला अध्यक्ष. पूर्व मंत्री के रूप में रामलाल जाट और अर्जुन सिंह बामनिया भी लिस्ट में शामिल. इसके अलावा सलूंबर से परमानंद मेहता, सवाई माधोपुर से इंदिरा मीणा. सीकर से सुनीता गठाला. सिरोही से लीलाराम गरासिया. श्रीगंगानगर से रुपिंदर सिंह कुन्नर. टोंक से सैयद सऊद सईदी. उदयपुर ग्रामीण से रघुवीर सिंह मीणा, उदयपुर शहर से फतेह सिंह राठौड़ और भीलवाड़ा से पूर्व मंत्री रामलाल जाट को जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी मिली है.

### अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिस्ट को ट्वीट करते हुए लिखा संगठन सृजन अभियान के माध्यम से राजस्थान में नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे एवं नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी की इस नायाब पहल से यह नया प्रयोग हुआ है. अब यह हम सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ काम कर उन्हें सफल बनाएं एवं नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भी सभी को साथ लेकर आगे काम करें.

### ✦ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से रायशुमारी के बाद तय हुए नाम

कांग्रेस पार्टी के इन जिलाध्यक्षों की नियुक्ति राहुल गांधी के निर्देश पर की गई रायशुमारी के आधार पर की गई है। प्रदेशभर में पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से बातचीत कर नाम सुझाए थे। बारां और झालावाड़ में अंता उपचुनाव के चलते रायशुमारी नहीं हो पाई, इसलिए इन दोनों जिलों में नियुक्ति टाल दी गई है।

### ✦ 5 जिलों में पूर्व विधायकों पर भरोसा

पूर्व विधायकों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। पूर्व मंत्री रामलाल जाट को भीलवाड़ा ग्रामीण का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जयपुर ग्रामीण में गोपाल मीणा, भीलवाड़ा शहर में रामलाल जाट, कोटपूतली-बहरोड़ से इंद्राज गुर्जर, उदयपुर ग्रामीण में रघुवीर मीणा और अजमेर शहर में राजकुमार जयपाल को जिम्मेदारी दी गई है।

### ✦ हर जिले से भेजा गया था छह नामों का पैनल

इस बार कांग्रेस ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया। बाहरी राज्यों से आए पर्यवेक्षकों ने रायशुमारी कर हर जिले से छह नामों का पैनल तैयार कर रिपोर्ट उच्च नेतृत्व को भेजी। इसके बाद संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की। अंतिम निर्णय के लिए राहुल गांधी को एक-एक नाम का पैनल भेजा गया।

### ✦ पुराने और नए चेहरों का संतुलन

जारी सूची में कई जिलों में नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जबकि कुछ जिलों में कार्यकर्ता आधार और संगठनात्मक मजबूती को देखते हुए पुराने अध्यक्षों को फिर से मौका दिया गया है। कुल 50 में से 45 जिलों में नई नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि पांच जिलों के नाम जल्द घोषित किए जाने की संभावना है।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृहमंत्री व यूपी सीएम का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

**जयपुर**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने उनकी अगवानी की। शर्मा ने एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी की। रणकपुर, पाली में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के परिवार में वैवाहिक आयोजन में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार दोपहर डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। यहां जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, विधायक उदय लाल डांगी, सलूम्बर विधायक शांतादेवी, निम्बाहेड़ा विधायक चंद कृपलानी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, आईजी गौरव वास्तव, जिला कलक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात् उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा ने उनकी अगवानी की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशेष विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने गृहमंत्री का स्वागत किया। शाह और मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से रणकपुर पहुंचे तथा वहां वैवाहिक आयोजन में भाग लेकर पुनः डबोक एयरपोर्ट लौटे। यहां से शाह ने नई दिल्ली के लिए तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

## एसआईआर पर हल्लाबोल की तैयारी में कांग्रेसः रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को बड़े आयोजन की कवायद

**नई दिल्ली**

कांग्रेस पार्टी वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ लोगों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। इसी कोशिश के तहत कांग्रेस पार्टी 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन करने जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि लोगों का वोट देने का संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और दावा किया कि इंडी गठबंधन के सहयोगी भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं हैं। कांग्रेस की रैली पर तेलंगाना कांग्रेस के नेता वी हनुमंता राव ने कहा कि '65 लाख मत चोरी कर लिए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने इसकी जांच भी नहीं कराई। यही वजह है कि सभी राजनीतिक पार्टियां रामलीला मैदान में रैली करेंगी। राहुल गांधी भी इस रैली में शामिल होंगे और देशवासियों को बताएंगे की देश में किस तरह से बेईमानी हो रही है। बाबा साहेब आंबेडकर ने लोगों को जो अधिकार दिए, उन्हें लागू नहीं किया जा रहा। लोगों को इसके खिलाफ एकजुट होना चाहिए। वोट चोर, गद्दी छोड़ की बैठक सफल होगी। एनडीए सरकार को अपनी आंखें खोलनी चाहिए।' कांग्रेस के 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एसआईआर के मुद्दे पर बड़ी रैली करने को लेकर भाजपा ने कहा कि एसआईआर सिर्फ एक बहाना और चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि,

'एसआईआर तो एक बहाना है। परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही कांग्रेस है जिसने महाराष्ट्र में एसआईआर का समर्थन किया था, इसे तुरंत लागू करने की मांग की थी, फिर भी बंगाल और बिहार में कांग्रेस पार्टी एसआईआर पर अलग स्टैंड लेती है। वे एसआईआर का विरोध करते हैं, लेकिन बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील या शिकायत फाइल नहीं की गई है।' पूनावाला ने कहा कि 'कांग्रेस के नेता भी इस वोट चोरी की बात पर यकीन नहीं करते। तारिक अनवर और दूसरे लोग इसे गलत बताते हैं, उनका दावा है कि टिकट चुराए गए थे, वोट नहीं। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को पहले अपने नेताओं और अपने साथियों को समझाना चाहिए। इस रैली में भी, इंडी गठबंधन का कोई पार्टनर शामिल नहीं हो रहा है। कांग्रेस कह रही है, 'वोट चोर, गद्दी चोर', लेकिन कांग्रेस के साथी कह रहे हैं,

## कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को जानबूझकर दबाया, भाजपा ने दिलाया सम्मानः जेपी नड्डा

**नई दिल्ली**

नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने '@150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। लेकिन सरदार पटेल ने दो वर्षों के भीतर इन सभी रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक कारणों से पटेल को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। उनके मुताबिक राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले, जिसे रोकने का प्रयास कांग्रेस सरकारों ने लगातार किया। नड्डा ने कहा कि इस अन्याय को खत्म करने का सही काम

प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। कार्यक्रम में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ एक प्रतिमा है, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक भी है, जिसे पटेल ने अपने अथक प्रयासों से साकार किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पटेल ने विभाजित हिंदुस्तान को एक मजबूत राष्ट्र में बदल दिया। उन्होंने देश को विदेशी मानसिकता और बिखराव से आजाद किया। नड्डा ने कहा कि आज जब देश उनकी जयंती मना रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि उनका योगदान देश की एकता और अखंडता की नींव है। नड्डा ने कहा कि '@150 यूनिटी मार्च' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पटेल के योगदान से अवगत कराना है।

## बहादुरी, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को हमेशा याद रखा जाएगा', वायुसेना ने नामांश स्याल को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली**

एक दिन पहले दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले विंग कमांडर नामांश स्याल को श्रद्धांजलि अर्पित की है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- विंग कमांडर नामांश स्याल के निधन से वह बेहद व्यथित है। दुबई एयर शो में तेजस लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उनकी जान चली गई। वह एक बेहतरीन लड़ाकू पायलट थे, जिनकी पहचान अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए होती थी। वायुसेना के अनुसार, विंग कमांडर स्याल ने हमेशा पूरी निष्ठा और उत्कृष्ट कौशल के साथ देश की सेवा की। उनके व्यवहार में गरिमा थी और उनके साथ काम करने वाले उन्हें बेहद सम्मान की नजर से देखते थे। दुबई में हुए उनके अंतिम सम्मान समारोह में यूएई के अधिकारी, भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि, उनके साथी पायलट, मित्र और कई अन्य लोग मौजूद रहे। हर चेहरे पर शोक था, लेकिन गर्व भी, क्योंकि उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में लगाया। भारतीय वायुसेना ने कहा कि इस कठिन समय में वह उनके परिवार के साथ खड़ी है। वायुसेना ने वादा किया है कि विंग कमांडर स्याल की बहादुरी, समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रेम को हमेशा याद रखा जाएगा। उनका जाना एक बड़ी क्षति है, मगर उनका योगदान और उनका साहस आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

# ड्रग्स-आतंकवाद के खतरनाक गठजोड़ के खिलाफ..., जी 20 लीडर्स समिट में पीएम मोदी ने दिया संदेश

**नई दिल्ली।**

जोहान्सबर्ग में हो रहे जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की सशक्त और स्पष्ट आवाज को दुनिया के सामने रखा। इस बार उन्होंने ड्रग तस्करी और आतंकवाद के बीच बढ़ते खतरनाक नेक्सस को निशाना बनाते हुए 'जी-20 इनिशिएटिव ऑन काउंटरिंग द ड्रग-टेरर नेक्सस" नाम से एक नया वैश्विक अभियान शुरू करने का प्रस्ताव रखा। पीएम मोदी ने इसके अलावा भी दो अन्य प्रस्ताव दुनिया के शीर्ष 20 आर्थिक शक्तियों के समक्ष रखा। इसमें एक प्रस्ताव अगले कुछ वर्षों में 10 लाख अफ्रीकी युवाओं को तकनीकी तौर पर प्रशिक्षित करने का भी है।

जबकि एक प्रस्ताव दुनिया के विभिन्न हिस्सों में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को संजो कर रखने से संबंधित है। पीएम मोदी ने कहा, 'मादक द्रव्यों की तस्करी एक बहुत ही बड़ा मुद्दा है। फेंटेनिल जैसे अत्यंत घातक ड्रग्स आज तेजी से फैल रहे हैं। ये सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गए हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ड्रग्स की काली कमाई अब आतंकवाद को फाइनांस करने का सबसे बड़ा जरिया बन चुकी है।" उन्होंने संकेत दिया कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए अब अलग-अलग देशों के अलग-अलग प्रयास काफी नहीं हैं। इसके लिए वैश्विक प्रयास होने चाहिए और इससे जुड़े फाइनेंस, गवर्नेंस और सिक्योरिटी से जुड़े सभी उपकरणों को एक साथ लाना होगा। मोदी का प्रस्ताव है कि ल20 इस नेक्सस को कमजोर करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाए और ठोस कार्रवाई करे। भारत ने उक्त प्रस्ताव के तहत सीधे तौर पर सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा नहीं उठाया है लेकिन हाल के वर्षों के दौरान भारत का यह अनुभव है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह से पोषित आतंकवाद में मादक-द्रव्यों की अहम भूमिका है। इसके पहले भारत की अगुआई में वर्ष 2023 की नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई थी और इसके खिलाफ जीरो-टॉलेरेंस की बात पहली बार घोषणा पत्र में शामिल की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से लगातार हर बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच के जरिए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को न सिर्फ दोहराया जाता है, वैश्विक बिरादरी को कभी सीमा पार आतंकवाद, तो कभी क्रिप्टोकरेंसी तो कभी टेरर-फंडिंग (आतंकवादियों को वित्तीय सुविधा देने) पर समाधान भी सुझाता है।

### केंद्र की चंडीगढ़ को अनुच्छेद-240 के तहत लाने की तैयारी, पंजाब के सियासी दलों में मचा घमासान

**चंडीगढ़**

पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ को पंजाब राज्यपाल के संवैधानिक दायरे से बाहर लाने की तैयारी की जा रही है। एक दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार इस संदर्भ में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2025 लाएगी। जिसके तहत चंडीगढ़ का अलग प्रशासक नियुक्त किया जा सकेगा जबकि अभी पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक होते हैं। अब यहां एलजी को बतौर प्रशासक नियुक्त किया जा सकेगा। केंद्र ने यूटी चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद-240 के दायरे में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है, जो राष्ट्रपति को इस संबंध में सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है।

## बिहार के बाद अब बंगाल पर भाजपा की नजर, पीएम मोदी और अमित शाह दिसंबर से करेंगे लगातार दौरा

**कोलकाता** बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद उत्साहित भाजपा की नजर अब बंगाल पर है, जहां पांच माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व साल खत्म होने से पहले पूरी ताकत से बंगाल में चुनाव प्रचार में कूदने जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के दूसरे शीर्ष नेता दिसंबर से लगातार बंगाल का दौरा करेंगे। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि राज्य नेतृत्व ने प्रधानमंत्री से इस साल बंगाल के विभिन्न हिस्सों में 10 जगहों पर रैली का अनुरोध किया था। इसमें तीन अलग-अलग क्षेत्रों में पीएम की रैलियां हो चुकी है।

### शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा ऐलान

# स्कूलों में अब 'पारंपरिक पोशाक' पहनेंगे बच्चे, धर्मांतरण के अड्डों पर चलेगा बुलडोजर

**जयपुर**

राजस्थान के शिक्षा राज्य मंत्री मदन दिलावर शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे. निजी स्कूल के कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे सर्किट हाउस पहुंचे. बीजेपी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार माला और साफा पहनाकर उनका स्वागत किया. उन्होंने बताया कि राजस्थान के सभी सरकारी विद्यालयों में जल्द ही एक दिन ऐसा तय किया जाएगा, जिस दिन विद्यार्थी यूनिफॉर्म की जगह पारंपरिक वेशभूषा या स्थानीय कपड़ों में स्कूल आएंगे. यह आदेश शिक्षा विभाग को जारी कर दिया गया है. इसका उद्देश्य छात्रों में स्थानीय संस्कृति व परंपरा के प्रति रुचि बढ़ाना है. धर्मांतरण कानून को लेकर दिलावर ने राजस्थान

के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी और कहा कि राज्य ने देश का सबसे सशक्त कानून लागू किया है. विधानसभा में पारित इस बिल को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है. दिलावर ने बताया, 'यदि कोई व्यक्ति धर्मांतरण गतिविधि में शामिल पाया जाता है और आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो उसे आजीवन कारावास और 50 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है. इतना ही नहीं, जिस भवन या स्थल का उपयोग धर्मांतरण के लिए किया गया होगा, उस पर बुलडोजर कार्रवाई भी की जा सकेगी.' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले भी धर्मांतरण कराने वालों के साथ थी और आज भी इसी मानसिकता पर चल रही है. दिलावर ने कहा कि अब ऐसे लोगों को सीधा काल कोठरी में डाला जाएगा. कांग्रेस की ओर से स्ढ्ढ्र पर लगातार शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया. दिलावर ने कहा कि यह प्रक्रिया बेहद जरूरी है, ताकि बोगस, गलत और एक से अधिक जगह वोटिंग करने वाले नाम हटाए जा सकें. मृत लोगों के नाम भी हटना आवश्यक है, ताकि चुनाव शुचिता के साथ संपन्न हों. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इसलिए हल्ला कर रही है, क्योंकि संभवतः उन्होंने बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में जोड़वाए होंगे. दिलावर ने कहा कि कांग्रेस की दाढ़ी में तिनका है, इसलिए घबराहट हो रही है. क्योंकि चोर की दाढ़ी में ही तिनका होता है. स्ढ्ढ्र से चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी होगी और हर फर्जी वोटर का नाम सूची से बाहर होगा. साथ ही बीएलओ से से आग्रह किया कि इस कार्य को तनाव में आकर न करें, बल्कि शांति से पूरा करें. यह कोई साल भर का काम नहीं, बल्कि मुश्किल से एक से डेढ़ महीने की प्रक्रिया है.

### *स्कूलों में सांस्कृतिक जागरूकता के लिए शुरू की गई पहल*

*शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के मुताबिक भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली ने स्कूलों में सांस्कृतिक जागरूकता के लिए पहल करते हुए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजकर राज्य के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंट्स और स्कूल स्टाफ के लिए सप्ताह में एक दिन स्थानीय वेशभूषा (गहनों/आभूषणों) को छोड़कर पहन कर आने के लिए प्रेरित करने को लिखा है। भारत सरकार का मत है कि ऐसा करना राज्य के सांस्कृतिक जागरूकता, लोक संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।*

### *हथकरघा वस्त्र को नियमित रूप से बढ़ावा देना चाहिए*

*भारत सरकार ने पत्र में यह भी सुझाव दिया है कि राज्य सरकार को भारत की वस्त्र विरासत के साथ गहरा संबंध विकसित करना चाहिए। इसके लिए संस्कृति के हिस्से के रूप में सप्ताह में एक बार स्कूल यूनिफार्म और विश्वविद्यालय ड्रेस में हथकरघा वस्त्र को नियमित रूप से शामिल करने को बढ़ावा देना चाहिए। हथकरघा वस्त्र को समर्थन एवं सहयोग करना चाहिए। ऐसे में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भारत सरकार के इस सुझाव का स्वागत और समर्थन करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इसे लागू करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।*

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com